संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 68
पृष्ठ 8
बुधवार
25 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दिनभर नहीं लगती है भूख तो...

विचार- आईआईटी से आईटीआई तक एक...

खेल- चोटों के कारण गंवाए 10 से 15...

अकाली दल की एनडीए में वापसीः पीएम मोदी बोले-

पंजाबियों का कल्याण प्राथमिकता, गठबंधन को वाजपेयी-आडवाणी ने सींचा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शिरोमणि अकाली दल की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में वापसी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस गठबंधन की प्राथमिकता पंजाब और पंजाब के लोगों का कल्याण है। खास बात यह है कि अकाली दल की वापसी श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के मौके पर हुई है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, पंजाब और पंजाबियों का कल्याण सबसे पहले! मुझे बेहद खुशी है कि शिरोमणि अकाली दल एनडीए परिवार में लौट आया है और वह भी श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा



और अकाली दल का गठबंधन स्वाभाविक है। यह पंजाब में जनहितकारी शासन सुनिश्चित करने और राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए काम करेगा। उन्होंने इस गठबंधन के पुराने इतिहास का भी जिक्र किया। पीएम मोदी के मुताबिक, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सरदार प्रकाश सिंह बादल ने इस साझेदारी को मजबूत बनाया और सींचा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि अकाली दल और भाजपा का गठबंधन समय की कसौटी पर खरा उतरा है। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों दलों की यह साझेदारी पंजाब के लोगों की पसंद बनेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने मंगलवार को दिल्ली में मुलाकात की। भाजपा मुख्यालय में हुई इस बैठक के बाद दोनों दलों ने 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव साथ लड़ने और एनडीए को मजबूत करने का औपचारिक संकेत दिया। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि दोनों पार्टियों ने मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि अकाली दल आज से एनडीए का हिस्सा भी बन रहा है। शाह ने गुरु पर्व के दिन पुराने सहयोगी की वापसी को खास अवसर बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से एनडीए के विस्तार पर बातचीत के दौरान अकाली दल की वापसी का मुद्दा उठा था। इसके बाद प्रधानमंत्री ने सुखबीर बादल को फोन कर कहा कि अब एनडीए पूरा हो गया है।

प्रकाश पर्वः योगी बोले- नाम जपने और कीर्तन करने से दूर होती है अज्ञानता

जब विदेशी ताकतें परेशान करती थी, उस वक्त गुरुनानक जी ने मंत्र दिया कि एक ओंकार



लखनऊ, संवाददाता। सिख धर्म के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व (जन्मदिवस) के अवसर पर राजधानी के डीएवी पीजी कॉलेज में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रकाश पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं ने गुरु नानक देव जी को नमन किया। सीएम योगी ने कहा कि आज कार्तिक पूर्णिमा की संध्या पर काशी में लाखों दीपक जलेंगे। ये मान्यता है कि भगवान शिव ने आज के दिन राक्षस त्रिपुरासुर का वध किया था। इसलिए ये आयोजन हर जगह उत्साह के साथ मनाया जाता है।गुरु नानक जी का एक ही उद्देश्य था कि धर्म पर धर्म की विजय हो। सत्य पर सत्य की विजय हो। याद करिए वो दौर जब बिखरा हुआ समाज था। मुख्यमंत्री ने गुरु नानक देव जी महाराज के तीन प्रमुख सिद्धांतों 'नाम जपो, कीरत करो, वंड छको' की व्याख्या करते हुए कहा कि ईश्वर का स्मरण, कीर्तन और सामूहिकता मनुष्य के भीतर सकारात्मक भाव पैदा करते हैं। इससे अज्ञानता दूर होती है और समाज में एकजुटता की शक्ति जागृत होती है। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास जी की पंक्ति 'श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्' का उल्लेख करते हुए कहा कि श्रद्धा के माध्यम से ही ज्ञान की प्राप्ति होती है। गुरु नानक देव जी महाराज भी कीर्तन के माध्यम से मनुष्य के भीतर श्रद्धा और सद्भाव का भाव जागृत करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने वंड छको के सिद्धांत को सामाजिक समानता और सहभागिता का जीवंत उदाहरण बताते हुए कहा कि इसका आशय है कि कोई भी व्यक्ति उपेक्षित न रहे और सभी मिल-बांटकर भोजन करें। गुरुद्वारों में संचालित लंगर की परंपरा आज भी इस महान विचार को साकार कर रही है। वहां किसी की जाति, मत या मजहब नहीं पूछा जाता। हर व्यक्ति एक साथ पंगत में बैठकर समान सम्मान के साथ भोजन करता है। यह केवल भोजन कराने की व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, सेवा, समानता और मानवीय संवेदना का अनुपम उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने लंगर की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि सबको एक साथ लंगर चखते हुए देखना उन्हें बहुत अच्छा लगता है, जिसकी शुरुआत गुरु नानक जी ने की थी। उन्होंने गुरु नानक जी की बातों को याद करते हुए कहा कि उनकी शिक्षाएं हमें अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा देती हैं।

पंजाब में फिर बनी बीजेपी-अकाली दल की जोड़ी, राजा वड़िंग बोले- कांग्रेस को होगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल एक बार फिर साथ आ गए हैं। दोनों पार्टियां मिलकर अगले विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। पंजाब की 117 विधानसभा सीटों पर अगले साल की शुरुआत में चुनाव होने हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गठबंधन का ऐलान किया। इस मौके पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल भी मौजूद रहे।

अकाली दल की होगी बड़े भाई की भूमिका

गठबंधन की रूपरेखा बताते हुए अमित शाह ने कहा कि इस साझेदारी में शिरोमणि अकाली दल बड़े भाई की भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि गठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा अकाली दल से ही होगा। बीजेपी और अकाली दल के साथ आने पर कांग्रेस सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह कोई नया गठबंधन नहीं है, बल्कि दोनों पार्टियों के बीच पहले से ही अंदरूनी तौर पर साथ था। उन्होंने कहा, ष्यह गठबंधन पहले से ही चल रहा था। दोनों पार्टियां अंदर से साथ थीं। अब सिर्फ जनता के सामने इसका ऐलान किया जा रहा है।ष राजा वड़िंग ने दावा किया कि इस गठबंधन से कांग्रेस को 15 सीटों का फायदा होगा। उन्होंने बीजेपी पर ध्रुवीकरण की राजनीति करने का आरोप भी लगाया। राजा वड़िंग ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने सभी धर्मों और समुदायों को साथ लेकर चलने का संदेश दिया था। उन्होंने कहा, ष्गुरु नानक देव जी ने सबके साथ संवाद का संदेश दिया था। इसमें हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और दलित सभी शामिल हैं।ष उन्होंने गुरुपर्व का जिक्र करते हुए पंजाब के लोगों से एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि जाति और धर्म से ऊपर उठकर सभी पंजाबियों को अच्छे लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए, नेक काम करने चाहिए और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

राजीव की सुरक्षा हटाई गई ताकि उनकी हत्या हो सके

सोनिया गांधी का बड़ा आरोप, बच्चों को बताया अपनी ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सुरक्षा हटाए जाने को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजीव गांधी की सुरक्षा जानबूझकर हटाई गई थी, ताकि उनकी हत्या हो सके। उन्होंने यह बात अपने बच्चों राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ बातचीत में कही।

यह बातचीत उनकी किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' को लेकर हुई। सोनिया गांधी ने एक्स पर वीडियो साझा किया। इसमें सोनिया गांधी ने बताया, मैंने बिलॉन्गिंग अपनी यादों के आधार पर लिखी है।

राहुल और प्रियंका ने इसमें अपनी यादें जोड़ीं। इससे इन कहानियों को एक नया जीवन मिला। मेरे बच्चे मेरी सबसे बड़ी खुशी और ताकत हैं। यही दो ऐसे लोग हैं, जो किसी और से ज्यादा मेरे धैर्य की परीक्षा लेते हैं। सोनिया गांधी ने राजीव गांधी के उस दौरे को याद किया, जब वह लोकसभा में विपक्ष के नेता थे। उन्होंने बताया कि राजीव गांधी खुले जीप में सफर करते थे। इस दौरान उन पर पत्थर फेंके गए थे। कई जगह विरोध प्रदर्शन भी हुए थे। उन्होंने कहा, यह दौरा काफी खौफनाक था। मुझे विपक्षी दलों की सरकार वाले राज्यों में राजीव गांधी की सुरक्षा को लेकर चिंता थी। उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले लोग इस पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे थे। राहुल भी इन दौरों में अपने पिता के साथ थे। उन्होंने खुद पत्थरबाजी और विरोध प्रदर्शन देखे थे सोनिया गांधी ने बताया कि एक दौरे से लौटने के बाद राहुल ने उनसे अपनी चिंता जाहिर की थी।



उन्होंने कहा, जब वह घर आया, तो उसने मुझसे कहा- मां, अगर हमने पापा की सुरक्षा को लेकर कुछ नहीं किया, तो मुझे मालूम है कि मैं बहुत जल्द उनके अंतिम संस्कार के लिए वापस आऊंगा।

सोनिया गांधी ने कहा कि बिहार का दौरा उनकी चिंता की आखिरी वजह बना। हालांकि, वह इससे पहले भी राजीव गांधी की सुरक्षा को लेकर चिंता जता चुकी थीं। सोनिया गांधी ने कहा, राजीव गांधी की सुरक्षा हटा दी गई थी, ताकि उनकी हत्या हो सके।



PRESS
हमेशा आपके साथ
शहर समता NEWS

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website
www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

बाइक की चपेट में आने से वृद्धा की मौत

प्रयागराज। मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नहवाई गांव के सामने सोमवार को बुलेट की चपेट में आने से 76 वर्षीय वृद्धा गुलाब कली की मौत हो गई। वृद्धा दुकान से घर लौट रही थीं। मृतका के तीन बेटे और एक बेटी हैं। इसी वर्ष 22 जून को उनके बड़े बेटे बलिराम की भी सड़क दुर्घटना में मौत हो चुकी थी। मां की मौत से पुत्र रविशंकर, उमाशंकर और पुत्री शकुंतला सदमे में हैं। आरोपी बुलेट छोड़कर भाग गया। एसओ कुलदीप शर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जयमाल की खुशी में फायरिंग, युवक के पेट में लगी गोली

प्रयागराज। उतरांव के अतरौरा गांव में रविवार देर रात जयमाल की खुशी में हुई फायरिंग में एक युवक के पेट में गोली लग गई। इससे युवक घायल हो गया। युवक को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। थरवई के मितई का पूरा गांव निवासी दीपक पासी



पुत्र सुरजीत की बरात रविवार को उतरांव के अतरौरा गांव में आई थी। रात करीब 12 बजे जयमाल का कार्यक्रम चल रहा था।

जयमाल स्थल के पीछे कुछ दूरी पर तमंचे से फायरिंग की जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोली तमंचे के नाल में फंस गई जिसे युवक उसे निकालने की कोशिश करने लगा। तभी गोली पलटकर थरवई के मौहरिया गांव निवासी दीपांशु यादव (22) पुत्र त्रिभुवन यादव के पेट में जा लगी। इस दौरान वह घायल हो गया। फौरन उसे अस्पताल ले जाया गया। दीपांशु बीए का छात्र है। अतरौरा गांव निवासी राधा देवी की दो बेटियां हैं। एक बेटी की शादी हो चुकी है। महिला किसानी करती है। नम आंखों से बेटी पुष्पा देवी की विदाई की। राधा देवी ने उतरांव थाने में भी बरात के दौरान हादसे या विवाद की आशंका को देखते हुए सुरक्षा की मांग की थी।

सोमवार को फायरिंग की सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक उतरांव राकेश कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसीपी हंडिया शेषधर पांडेय ने बताया कि घायल युवक का ऑपरेशन हुआ है। उसके परिजनों से बातचीत हुई है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया ने की अपील देर से आने वाले छात्रों को गेट से वापस न लौटाएं स्कूल

प्रयागराज। छात्र सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया ने शहर के सभी विद्यालयों को पत्र भेजा है। इसके जरिए उन्होंने स्कूलों से अपील की है कि देर से आने वाले बच्चों को विद्यालय में प्रवेश देने से मना न करें। अनुशासनात्मक अथवा प्रशासनिक कार्रवाई प्रवेश देने के बाद भी की जा सकती है। उन्होंने यह कदम हाल ही में



देर से पहुंचने पर एक नौ वर्षीय छात्र को स्कूल में प्रवेश न दिए जाने और उसके बाद हुई दुर्घटना में उसकी दुखद मृत्यु को गंभीरता से लेते हुए उठाया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान के लिए बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सीपी ने निर्देश दिया है कि किसी भी बच्चे को विद्यालय परिसर से बाहर जाने अथवा गेट पर बिना निगरानी के न छोड़ा जाए। स्कूल खुलने और छुट्टी के समय पर्याप्त संख्या में सुरक्षा गार्ड और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए। इसके साथ ही समय से पहले आने वाले या छुट्टी के बाद वाहन की प्रतीक्षा कर रहे बच्चों के लिए स्कूल परिसर के भीतर ही सुरक्षित एवं निगरानीयुक्त स्थान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्कूली परिवहन को सुरक्षित बनाने के लिए विद्यालयों को सभी बसों, निजी वैन, टेम्पो, ई–रिक्शा और ऑटो रिक्शा का पूर्ण विवरण रखना होगा। इसमें वाहन का पंजीकरण नंबर, चालक का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ड्राइविंग लाइसेंस, पहचान पत्र की प्रति तथा वाहन स्वामी व परिचालक का ब्योरा सुरक्षित रखना अनिवार्य है। वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। किसी भी बदलाव की स्थिति में चालक या वाहन की जानकारी अभिभावकों को देना जरूरी होगा। पुलिस आयुक्त ने सख्त हिदायत दी है कि किसी भी बच्चे को सड़क पर या घर के बाहर माता–पिता अथवा अधिकृत वयस्क अभिभावक को व्यक्तिगत रूप से सुपुर्द किए बिना न उतारा जाए। यदि मौके पर अभिभावक उपलब्ध न हों, तो बच्चे को किसी भी दशा में अकेला न छोड़ा जाए और तत्काल अभिभावकों को सूचित किया जाए। विद्यालयों के बाहर लगने वाले भीषण जाम और अव्यवस्थित पार्किंग से आम नागरिकों को होने वाली असुविधा दूर करने के लिए भी ठोस कदम उठाने को कहा गया है। विद्यालयों को बच्चों को छोड़ने व लेने के लिए स्थान चिन्हित करने, दोहरी पार्किंग रोकने और यथासंभव अलग–अलग कक्षाओं की छुट्टी में 20 से 30 मिनट का अंतर रखने का सुझाव दिया गया है। गेट के बाहर यातायात नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारी तैनात करने होंगे। वार्षिकोत्सव, खेलकूद प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम या अभिभावक–शिक्षक बैठक (पीटीएम) जैसे आयोजनों, जिनमें भीड़ जुटने की संभावना हो, उसकी तिथि, समय, आगंतुकों की अनुमानित संख्या और पार्किंग व्यवस्था की पूर्व सूचना स्थानीय व यातायात पुलिस को देनी होगी। साथ ही, पुलिस से निरंतर समन्वय और सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए प्रत्येक विद्यालय को एक नोडल अधिकारी नामित करने को कहा गया है।

स्कॉर्पियो की चपेट में आने से बाइक सवार दंपती की मौत

प्रयागराज। प्रयागराज–मिर्जापुर राजमार्ग पर सोमवार शाम बेकाबू स्कॉर्पियो ने बाइक सवार सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में दंपती की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन छोड़कर भाग गया।

हादसा मेजा के कोटहा गांव के सामने करीब साढ़े पांच बजे हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि दयाराम विश्वकर्मा (44) और उनकी पत्नी बबीता (42) स्कॉर्पियो के पिछले पहिये के नीचे आ गए जिससे उनकी मौत हो गई।

इस दौरान बाइक भी स्कॉर्पियो में फंस गई। स्कॉर्पियो में सवार दो युवकों को भीड़ ने पकड़ लिया और उनकी पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवकों को भीड़ से बचाकर थाने पहुंचाया। आक्रोशित लोगों ने स्कॉर्पियो पर पथराव कर उसके शीशे तोड़ दिए। भीड़ ने



वाहन में आग लगाने का भी प्रयास किया, जिसे पुलिस ने विफल कर दिया। पुलिस ने शवों को रामनगर सीएचसी भेजा, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आक्रोशित लोगों ने किया हाईवे जाम

दंपती की मौत से गुस्साए लोगों ने प्रयागराज–मिर्जापुर राजमार्ग को घंटे भर तक जाम कर दिया। मेजा थाने के इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित लोगों को समझा–बुझाकर शांत कराया। इसके बाद राजमार्ग पर यातायात बहाल हो सका।

शादी समारोह से लौट रहे थे मिर्जापुर के रहने वाले दंपती

मिर्जापुर जिगना थाना क्षेत्र के गोगांव गांव निवासी दयाराम विश्वकर्मा और बबीता रविवार को मेजा के लोटाढ़ गांव गए थे। वे वहां एक शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। सोमवार शाम साढ़े पांच बजे वे बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान कोटहा गांव के सामने यह दर्दनाक हादसा हो गया। मृतक के बेटे नीरज विश्वकर्मा की तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

दंपती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दुर्घटना में स्कॉर्पियो चालक की लापरवाही सामने आई है। कार्रवाई की जा रही है।– बृजेश पाठक, एसीपी मेजा।

प्रतापपुर विधानसभा में विकास का हिसाब-किताब

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट के बीच सत्ता का संग्राम अभियान विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचकर जनता के अनुभवों को सामने ला रहा है। इसी कड़ी में, टीम ने प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया



और वहां के नागरिकों, व्यापारियों, किसानों, महिलाओं और युवाओं से संवाद कर विकास के दावों और जमीनी हकीकत का जायजा लिया।

प्रतापपुर के व्यापारियों ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। एक व्यापारी ने बताया कि बाजार की सड़कों की स्थिति पहले बारिश में खराब हो जाती थी, लेकिन सीसी सड़क का निर्माण होने से स्थिति बेहतर हुई है। उन्होंने कानून व्यवस्था को भी 100 में से 100 अंक दिए और कहा कि पहले की तुलना में लूटपाट और गुंडाराज में कमी आई है, जिससे व्यापारिक माहौल सुरक्षित हुआ है।

किसानों को किसान सम्मान निधि और राशन जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है, और खाद–पानी की आपूर्ति भी सुचारू रूप से हो रही है।

योगी सरकार में युवाओं को कितना फायदा

इलाके के युवाओं ने भी किसानों को कितनी सरकारी योजनाओं का लाभ

किसानों से बातचीत के दौरान, उन्होंने सरकार के कार्यकाल में हुए विकास पर खुशी जताई। एक किसान ने बताया कि पिछली सरकारों की तुलना में बिजली की किल्लत अब दूर हो गई है और पानी की समस्या भी काफी हद तक हल हो गई है। सड़कों की स्थिति में भी सुधार हुआ है। सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं में सुधार को सराहा। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है। युवाओं को आर्थिक मदद मिल रही है, जिससे वे विकास में योगदान दे पा रहे हैं।

स्थानीय निवासियों ने शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुए कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। सड़कों और बिजली–पानी की आपूर्ति में सुधार को महत्वपूर्ण बताया गया। कानून व्यवस्था को लेकर भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिसमें कहा गया कि गुंडागर्दी खत्म होने से महिलाएं और बेटियां अब पहले से अधिक सुरक्षित महसूस कर रही हैं और बेखौफ होकर अपने काम कर पा रही हैं। किसानों को भी बिजली और नहरों में पानी की नियमित आपूर्ति से राहत मिली है।

प्रतापपुर की महिलाओं से बातचीत

महिलाओं से बातचीत में विकास कार्यों के साथ–साथ महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भी बात हुई। महिलाओं ने बताया कि सड़क, राशन, बिजली और पानी की व्यवस्था बेहतर हुई है। बिजली की आपूर्ति में सुधार से पहले की तरह दिनभर कटौती की समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि अब डर का माहौल खत्म हुआ है और महिलाएं बेखौफ होकर बाहर निकल सकती हैं।

पांच साल की नौकरी में 35 लाख कमाए, 46 लाख खर्च कर दिए, आय से अधिक संपत्ति में दारोगा पर एफआईआर

प्रयागराज। प्रयागराज में एक दारोगा पांच साल की नौकरी के दौरान करीब 35 लाख कमा डाले और 46 लाख से ज्यादा की संपत्ति बना डाली। कमाई और खर्च के इस बड़े अंतर ने एंटी करप्शन के शिकंजे में फंसा दिया है। प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां महज पांच–साढ़े पांच साल की नौकरी में वेतन और अन्य वैध स्रोतों से करीब 35 लाख रुपये कमाने वाले एक दारोगा ने 46 लाख रुपये से ज्यादा की संपत्ति बना डाली और खर्च कर दिए। कमाई और खर्च के इस बड़े अंतर ने उन्हें भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) के शिकंजे में फंसा दिया है।

प्रयागराज के नवाबगंज थाना क्षेत्र स्थित शृंग्वेरपुर रिपोर्टिंग पुलिस चौकी प्रभारी रहे उप निरीक्षक (दारोगा) आशीष कुमार राय के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। प्रारंभिक जांच में वैध आय से 30.92 प्रतिशत अधिक धनराशि खर्च करने की पुष्टि हुई है। मूल रूप से गाजीपुर के जमानियां थाना क्षेत्र स्थित ग्राम सैदाबाद निवासी आशीष कुमार राय वर्तमान में कासगंज



कोतवाली में तैनात हैं। शृंग्वेरपुर चौकी पर तैनाती के दौरान उनकी कार्यशैली और संपत्तियों को लेकर हुई शिकायत का संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के अनुमोदन पर 14 अगस्त 2024 में जांच शुरू हुई थी। एंटी करप्शन प्रयागराज मंडल के निरीक्षक रवीन्द्र सिंह की तफ्तीश में दारोगा के वित्तीय लेनदेन का चौंकाने वाला चिट्ठा खुला।

जांच एजेंसी ने एक जनवरी 2018 से 30 जून 2023 तक की अवधि का आकलन किया। इस दौरान दारोगा ने वेतन, बोनस, एरियर और बैंक ब्याज समेत सभी ज्ञात वैध स्रोतों से कुल 35,39,849 रुपये अर्जित किए। इसके विपरीत, इसी अवधि में उन्होंने चल–अचल संपत्ति खरीदने, बीमा पॉलिसियों, म्यूचुअल फंड, बैंक जमा और पारिवारिक भरण–पोषण पर कुल 46,34,418 रुपये खर्च किए। इस तरह दारोगा ने अपनी वैध आय के सापेक्ष 10,94,569 रुपये अतिरिक्त खर्च किए, जिसका वह जांच के दौरान हिसाब और संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर निरीक्षक रविन्द्र सिंह की तहरीर पर प्रयागराज एंटी करप्शन थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

बीमा और म्यूचुअल फंड में खपाई अतिरिक्त रकम

जांच में यह चौंकाने वाला ट्रेंड सामने आया है कि अतिरिक्त कमाई को सीधे नकदी के रूप में रखने के बजाय निवेश के जरिए खपाया गया। दरोगा ने अचल संपत्ति खरीदने के साथ–साथ एलआईसी, एसबीआई लाइफ की पॉलिसियों और म्यूचुअल फंड में निवेश किया, जिसकी बारीकी से जांच हुई।

तीन साल लंबी तफ्तीश के बाद कसा शिकंजा

30 अक्टूबर 2023: एसपी (लोकशिकायत) लखनऊ ने दारोगा की संपत्ति की जांच के लिए पत्र भेजा।

14 अगस्त 2024: डीजीपी के अनुमोदन के बाद मुख्यालय से खुली जांच के आदेश जारी हुए।

6 नवंबर 2026: सवा दो साल चली जांच में हिसाब न दे पाने पर प्रयागराज एंटी करप्शन थाने में एफआईआर दर्ज।

आधुनिक तकनीक अपनाकर मिसाल बने शिव आसरे

प्रयागराज। अमिलो निवासी किसान शिव आसरे पटेल आधुनिक कृषि तकनीक अपनाकर खेती को लाभदायक बना रहे हैं। वह जमई खेत में तीन से चार बीघा जमीन पर मटर, आलू, बैंगन, मिर्च और चने की फसलें उगाते हैं। उनका यह तरीका क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा स्रोत बन रहा है। शिव आसरे पटेल इन दिनों चने की फसल से अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। उनका एक वीडियो भी हाल ही में वायरल हुआ है। इस वीडियो में वह चने का साग काटकर बाजार में 150 रुपये प्रति किलो की दर से बेचते नजर आ रहे हैं। उन्होंने अब तक चार बार चने का साग बाजार में बिक्री किया है। इससे उन्हें लागत से अधिक लाभ प्राप्त हुआ है। रमाशंकर पटेल ने बताया कि कृषि विभाग के समस्या समाधान कार्यक्रम से उनका संपर्क बड़े किसानों से हुआ। उन्हें चने का साग तैयार कर बाजार में बेचने की तकनीक की जानकारी मिली। इस तरीके को अपनाने के बाद उन्हें अच्छा लाभ मिलने लगा। वह खेत में मटर, आलू, चना और सब्जियों की अलग–अलग खेती करते हैं। इससे उन्हें एक ही फसल पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।



कार्तिक पूर्णिमा पर संगम नगरी में उमड़ा आस्था का सैलाब, स्नान के लिए जुटी श्रद्धालुओं की भीड़



प्रयागराज। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रयागराज के संगम पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा–अर्चना कर परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की।

कुंडा मंदिर के पुजारी की हत्या, भारी पुलिस फोर्स तैनात, पुलिस ने बताई ये बात

प्रयागराज। प्रयागराज जिले के थरवई में स्थित भीम कुंडा मंदिर के 60 वर्षीय पुजारी की हत्या कर दी गई। मंदिर इलाके में मंगलवार सुबह से ही भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। मनसैता गांव स्थित मंदिर के पुजारी 1008 बाबा दयाल दास को निर्ममता से मौत के घाट उतारा गया। थरवई थाना क्षेत्र में हुई इस वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस के अफसरों का कहना है कि हत्या रात में होना प्रतीत हो रहा है और हत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं लग सका है।

घायल महिला की मौत, पहचान नहीं

प्रयागराज। प्रतापपुर खुर्द गांव में कब्रिस्तान के पास एक करीब 55 वर्षीय अज्ञात महिला घायल मिली थी। एसआरएन अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पांच दिन बाद भी महिला की पहचान नहीं हो पाई है। फूलपुर थाना प्रभारी शेषनाथ पाल ने बताया कि महिला 20 नवंबर को प्रतापपुर खुर्द गांव में घायल मिली थी। उसे तत्काल स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, 21 नवंबर को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। शव एसआरएन अस्पताल की मर्चरी में रखा है। पुलिस उसकी पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

शृंग्वेरपुरधाम देश की अमूल्य विरासत : डॉ. संजय निषाद

प्रयागराज। कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद का सोमवार देर शाम शृंग्वेरपुरधाम में आगमन हुआ। मंत्री डॉ. संजय निषाद ने राष्ट्रीय रामायण मेले को और अधिक भव्य एवं व्यापक स्वरूप देने के संबंध में चर्चा की। विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी ने भी रामायण मेले के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम और निषादराज गुह्य की



मित्रता, प्रेम, समरसता एवं सामाजिक समानता का संदेश देने वाली यह पावन धरती देश की अमूल्य सांस्कृतिक विरासत है। 37वें राष्ट्रीय रामायण मेले में दंडी स्वामी विनोदानंद सरस्वती ने सीता स्वयंवर की कथा का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि राजा जनक ने शिव धनुष तोड़ने की शर्त रखी थी। अनेक राजा धनुष हिला भी नहीं सके। गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से भगवान श्रीराम ने धनुष उठाया और प्रत्यंचा चढ़ाते समय वह खंडित हो गया। स्वयंवर स्थल जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। सीता ने भगवान श्रीराम को वरमाला पहनाई। वृंदावन से केशवम ने भरत चरित्र की कथा सुनाई। मौके पर कथावाचक अतुल, बाल कृष्ण पांडेय, बलराम सिंह और अमित द्विवेदी आदि रहे।

मसुरिया देवी धाम मेला: तैयारियां शून्य

प्रयागराज। अमिलिया तरहार गांव स्थित मसुरिया देवी धाम में 25 नवंबर से एक माह का मेला शुरू होगा। मेले की तैयारियां अभी तक शून्य हैं। पूरा क्षेत्र गंदगी से पटा है, जिससे बाहरी दुकानदार निराश हैं। शृंगारकर्ता सत्य प्रिय सोनकर ने डीएम को पत्र लिखा है। उन्होंने नल, पानी के टैंकर, एंबुलेंस, चिकित्सकों, प्रकाश और पुलिस बल की मांग की है। अस्थायी शौचालयों के निर्माण की भी मांग की गई है। उधर, मेला आयोजक अमरेंद्र सिंह ने उपजिलाधिकारी बारा को शिकायत दी। उन्होंने बताया कि कुछ लोग बलि गृह व मेला क्षेत्र में अव्यवस्था फैला रहे हैं। एसडीएम अर्पित कुमार ने तहसीलदार अनिल पाठक को जांच का आदेश दिया। एसीपी वेदव्यास मिश्र ने कहा कि व्यवधान उत्पन्न करने वालों को चिह्नित किया जा रहा है और उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

बबलू दुबे बने भाकियू के प्रदेश उपाध्यक्ष

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने बहरिया विकास खंड के बरजी गांव निवासी बबलू दुबे को उत्तर प्रदेश का प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। प्रदेश अध्यक्ष राजपाल शर्मा ने मनोनयन पत्र जारी किया। बबलू दुबे के मनोनयन की खबर मिलते ही क्षेत्र के किसानों व समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सूखी नहरों से बुआई में देरी

प्रयागराज। शारदा सहायक नहर से निकले रजबहों और माइनरों में पानी की आपूर्ति ठप है। इससे किसानों को खेतों का पलेवा करने में परेशानी हो रही है। रबी की मुख्य फसल गेहूं की बुआई में देरी हो रही है। किसानों को आशंका है कि इससे फसल का उत्पादन घट सकता है। सम्हई रजबहा, हथिगहां रजबहा और



इलाहाबाद रजबहा सहित कई रजबहे सूखे पड़े हैं। आसपास के गांवों के किसान सिंचाई के लिए परेशान हैं। किसान विनोद ओझा और संजय पांडेय ने बताया कि खेती सिंचाई पर निर्भर है। समय से पानी न मिलने पर बुआई पिछड़ रही है। किसानों ने सिंचाई विभाग से नहरों में जल्द पानी छोड़ने की मांग की है। वे चाहते हैं कि समय पर बुआई हो सके और संभावित नुकसान से बचा जा सके।

संक्षिप्त

सेवा, भक्ति और मानवता के संदेश के साथ मना भगवान श्री सत्य साई बाबा का 100वां जन्मोत्सव

लखनऊ, संवाददाता। श्री सत्य साई सेवा संगठन, लखनऊ की ओर से भगवान श्री सत्य साई बाबा का 100वां जन्मोत्सव आशियाना स्थित शहनाई लॉन में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आध्यात्मिक आयोजनों के साथ सेवा, शिक्षा और महिला सशक्तीकरण से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से बाबा के प्रेम, सेवा और मानवता के आदर्शों को साकार किया गया।जन्मोत्सव के अवसर पर सुबह से ही संगठन की विभिन्न समितियों में ओंकारम्, सुप्रभातम्, नगर संकीर्तन, ध्यान, हवन एवं भजन–कीर्तन सहित विविध आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। साई भक्तों ने अपने घरों पर भी परिवारजनों और मित्रों के साथ केक काटकर जन्मोत्सव की खुशियां मनाईं।मुख्य समारोह शाम 4रू30 बजे से रात 8 बजे तक शहनाई लॉन में आयोजित हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार, भगवान के नाम संकीर्तन और भक्तिमय भजनों से वातावरण आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर रहा। कार्यक्रम में चंदन, ऋषि, नीरज, मुक्ता एवं आरती ने एकल भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं।समारोह का विशेष आकर्षण सेवा गतिविधियां रहीं। जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें प्रदान की गईं, जिससे वे स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकें। वहीं, संगठन की बाल विकास कक्षाओं के प्रतिभाशाली एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'श्री सत्य साई स्कॉलरशिप' प्रदान की गई। बाल विकास के बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डॉ. रुचि ने भगवान श्री सत्य साई बाबा के जीवन दर्शन, विचारों और मानवता के लिए दिए गए संदेशों पर प्रेरक व्याख्यान प्रस्तुत किया। संगठन के जिलाध्यक्ष अजय कपूर ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए संगठन की विभिन्न सेवा एवं आध्यात्मिक गतिविधियों का विवरण दिया। इसके बाद श्वेता अरोरा के निर्देशन में समूह भजनों की आकर्षक प्रस्तुति हुई।कार्यक्रम का समापन बाबा के जन्मदिन गीत, केक कटिंग, मंगल आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। संपूर्ण आयोजन ने भगवान श्री सत्य साई बाबा के प्रेम, सेवा, त्याग और मानव कल्याण के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का भावपूर्ण माध्यम प्रस्तुत किया।

गुरु नानक देव की शिक्षाएं मानवता, सेवा, समानता और सामाजिक सद्भाव की शाश्वत प्रेरणा–केशव

लखनऊ, संवाददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पावन पर्व देव दीपावली, कार्तिक पूर्णिमा एवं सिख धर्म के प्रकाश पर्व पर देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।श्री मौर्य ने कहा कि देव दीपावली भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक आस्था और सनातन परंपरा का अनुपम पर्व है एवं कार्तिक पूर्णिमा का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व है। यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर, निराशा से आशा की ओर तथा नकारात्मकता से सकारात्मकता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। दीपों का प्रकाश समाज में प्रेम, सद्भाव, एकता और भाईचारे का संदेश प्रसारित करता है। उन्होंने भगवान श्रीहरि विष्णु एवं देवाधिदेव महादेव से प्रार्थना की कि इन पावन पर्वों की दिव्य ज्योति सभी के जीवन को सुख, शांति, समृद्धि, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा से आलोकित करे।उप मुख्यमंत्री ने सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं महान संत गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर भी समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। गुरु नानक देव का जीवन और शिक्षाएं संपूर्ण मानवता के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगी। उनका संदेश श्एक ओंकारश, मानव सेवा, समानता, प्रेम, करुणा, सत्य और परोपकार का मार्ग दिखाता है। उन्होंने समाज को जाति, धर्म और भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करने तथा सभी के प्रति समान भाव रखने की प्रेरणा दी।

स्कॉर्पियो पर 'जाति' लिखना पड़ा महंगा, कटा चालान,बागपत के डीएम का कड़ा एक्शन

लखनऊ, संवाददाता। वाहन पर जाति सूचक शब्द लिखेंगे तो एक्शन हो सकता है। जाति लिख कर दबंगई करेंगे,रुतबा गालिब करेंगे तो नपेंगे। भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है, गाड़ी का चालान हो सकता है। यह बात बागपत में सच साबित हुई। भाजपा का झंडा लगी स्कॉर्पियो पर जाति सूचक शब्द लिखवाना वाहन मालिक को महंगा पड़ गया। बागपत कलेक्ट्रेट परिसर में विगत दिवस पहुंची स्कॉर्पियो पर बड़े अक्षरों में जाति लिखे शब्द पर डीएम दिव्यांशु पटेल की नजर पड़ गई। उन्होंने तत्काल एआरटीओ को बुलाकर कार्रवाई के निर्देश दिए। डीएम के निर्देश पर एआरटीओ ने गाड़ी सीज कर दी। बाद में वाहन मालिक के चालान के मुताबिक जुर्माना भरने पर और भविष्य में ऐसा न करने की चेतावनी के बाद गाड़ी छोड़ी गई। एआरटीओ विपिन कुमार के अनुसार वाहनों पर जातिसूचक शब्द, धर्म, पद अथवा अन्य अनधिकृत संदेश लिखवाना यातायात नियमों के विरुद्ध है। वाहनों के शीशे, बंपर और बॉडी पर इस तरह की लिखावट या आनधिकृत स्टीकर लगाना नियमों का उल्लंघन है। वाहन चालकों को निर्धारित नियमों का पालन करना चाहिए।

कोहरे में यमुना एक्सप्रेसवे पर घटेगी रफ्तार, 75 किमी प्रति घंटा होगी अधिकतम गति सीमा

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सड़क सुरक्षा को लेकर किए जा रहे प्रयासों के तहत सर्दियों में कोहरे और धुंध से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में यमुना एक्सप्रेसवे पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। आगामी 25 नवंबर 2026 से 15 फरवरी 2027 तक एक्सप्रेसवे पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा 100 किलोमीटर प्रति घंटा से घटाकर 75 किलोमीटर प्रति घंटा करने के निर्देश दिए गए हैं। सर्दियों में घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है। प्राधिकरण ने यमुना एक्सप्रेसवे के कंसेशनायर जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड को गति सीमा में कमी के साथ सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं तत्काल प्रभाव से सुनिश्चित करने को कहा है। इसका उद्देश्य कम दृश्यता की स्थिति में वाहन चालकों को सतर्क करना और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम करना है। जगह–जगह सूचना बोर्ड लगाए जाएंगे और समाचार पत्रों के माध्यम से भी वाहन चालकों को जानकारी दी जाएगी। कोहरे में सुरक्षित ड्राइविंग के उपायों से संबंधित पैम्फलेट एक्सप्रेसवे के प्रवेश एवं निकास बिंदुओं, टोल प्लाजा और रोड साइड फैसिलिटी पर वितरित किए जाएंगे।

श्री गुरु नानक जयंती पर काव्यायन की गोष्ठी, डॉ. विमल को श्रद्धांजलि

कानपुर। साहित्यिक–सांस्कृतिक संस्था 'काव्यायन' की ओर से श्री गुरु नानक देव जी की 597वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार,24 नवंबर को एक अनौपचारिक कवि गोष्ठी का आयोजन संस्था के कार्यालय 'पर्णिका', 11/1, कृष्ण विहार, आवास विकास, पनकी रोड, कल्याणपुर में किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता कवयित्री अंजलि सागर ने की तथा संचालन डॉ मुकेश सिंह ने किया।



गोष्ठी में अंजलि सागर, विद्या शंकर अवस्थी पथिक, डॉ अखंड प्रकाश,सुरेश साहनी, जयराम जय, डॉ मुकेश सिंह,कुमार सूरज, अजय सदाब, अशोक मिश्र निर्मल एवं दिनेश नीरज ने अपनी विविध विधाओं की रचनाओं से साहित्यिक वातावरण को सरस और भावपूर्ण बनाया। सुरेश साहनी के गीत, जयराम जय के छंद, कुमार सूरज के मुक्तक, अजय सदाब की ग़ज़लें, अशोक निर्मल की कविताएँ तथा दिनेश नीरज के आंचलिक गीत श्रोताओं की सराहना और वाहवाही बटोरते रहे। सभी रचनाकारों ने समसामयिक विषयों के साथ गीत, ग़ज़ल, छंद एवं दोहों के माध्यम से अपनी साहित्यिक संवेदनाओं को अभिव्यक्त किया।

गोष्ठी के समापन पर हिंदी साहित्य और काव्यालोचना के प्रतिष्ठित विद्वान, प्रख्यात साहित्यकार डॉ. विमल चन्द्र सिन्हा (लेखकीय नामदृडॉ. विमल) के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उल्लेखनीय है कि डॉ. विमल का निधन 15 नवंबर को हुआ था। इस अवसर पर नवगीतकार जयराम जय ने डॉ. विमल के निधन को हिंदी साहित्य की अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि उनका दिवंगत होना अत्यंत दुःखद, स्तब्धकारी और मर्मांतक है। हिंदी साहित्य और अकादमिक जगत के वरिष्ठ विद्वान, प्रखर आलोचक, चिंतक एवं साहित्यकार डॉ. विमल ने आलोचना के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई थी। वे कोल्विन तालुकेदार्स कॉलेज, जोधपुर विश्वविद्यालय और वर्धमान विश्वविद्यालय में व्याख्याता से लेकर प्रोफेसर तक की अपनी दीर्घ शैक्षणिक यात्रा के बाद वर्धमान विश्वविद्यालय, वर्धमान (पश्चिम बंगाल) के हिंदी विभाग में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष रहे थे। वर्तमान में अपनी बेटी कामिनी सिंह के साथ कानपुर में रह रहे डॉ. विमल के निधन से हिंदी की आलोचनात्मक परंपरा का एक महत्वपूर्ण अध्याय अवसान को प्राप्त हुआ है।

उनके व्यक्तित्व और कृतित्व में गहन अध्ययन, वैचारिक प्रतिबद्धता, सामाजिक सरोकार और साहित्यिक विवेक का अद्भुत समन्वय था। अंत में गोष्ठी के संयोजक दिनेश नीरज ने उपस्थित साहित्यकारों एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

वृक्षारोपण से ही पृथ्वी की रक्षा की जा सकती है: डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति द्वारा वृक्षारोपण से ही पृथ्वी की रक्षा की जा सकती है। मंगलवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पीठ के नए आश्रम में कार्तिक पूर्णिमा महासभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने दीप प्रज्वलित कर सभा का शुभारंभ किया।



इस अवसर पर पीठाधिपति डॉ. उमर अलीशा ने अपने अनुग्रह भाषण में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मंत्र, ज्ञान और ध्यान की श्त्रयी साधनाश करनी चाहिए। इस त्रयी साधना के माध्यम से भुक्ति, तृप्ति और मुक्ति प्राप्त होती है, जिससे मानव जीवन सार्थक होता है। उन्होंने कार्तिक पूर्णिमा सभा में आए हजारों सदस्यों को कार्तिक पूर्णिमा का महत्व समझाया। उन्होंने आह्वान किया कि कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हर व्यक्ति दृढ़ संकल्प लेकर पीठ द्वारा चलाए जा रहे श्मेरा पौधा, मेरी सांसश कार्यक्रम के तहत तीन पौधे लगाकर उनकी देखभाल की जिम्मेदारी ले।

इस सभा में मुख्य अतिथि के रूप में माधुरी शिक्षण संस्थानों के प्रमुख एवं गोल्लाप्रोलु नगर पालिका अध्यक्ष कडारी तम्मय्या नायडू, पिठापुरम नगर पालिका अध्यक्ष दानम लाजर बाबू और उनकी धर्मपत्नी कमला रानी, जनसेना नेता मार्निडी रंगबाबू, टाउन सर्कल इंस्पेक्टर जी.वी.वी. सत्यनारायण, और रेड क्रॉस ब्लड बैंक के सचिव के. शिवकुमार ने उपस्थित होकर स्वामी जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के कार्यक्रमों के तहत, उमर अलीशा सिलाई प्रशिक्षण केंद्र को एक ज़िग–ज़ैग मशीन और कपड़ा काटने की मेज (क्लॉथ कटिंग टेबल) भेंट की गई। पीठ के एक सदस्य के अस्वस्थ होने के कारण ट्रस्ट की ओर से उसे 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। पीठ और ट्रस्ट में स्वयंसेवक के रूप में कार्य कर रहे युवक–युवतियों को ड्रेस प्रदान की गई। सभा में आए अतिथियों, केंद्रीय समिति के सदस्यों और स्वयंसेवकों को धान की बालियां भेंट की गईं तथा जरूरतमंद महिलाओं के बीच 22 कंबल वितरित किए गए। इस कार्तिक मास की सभा में पीठाधिपति डॉ. उमर अलीशा ने 90 नए लोगों को श्महा मंत्रोपदेशश दिया।

कार्तिक पूर्णिमा सभा के अवसर पर राजमहेंद्रवरम स्पेशल पुलिस बटालियन के कमांडेंट, कलारत्न डॉ. कोंडा नरसिम्हा राव और उनकी धर्मपत्नी अलिवेलु मंगादेवी द्वारा सभा प्रांगण में किए गए अखंड शंखनाद ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। तात्विक बालविकास के बच्चों द्वारा दिए गए भाषणों ने सभी का मन मोह लिया। तात्विक बालविकास के पूर्व छात्र एवं कई भाषण दे चुके युवा अवधानी यर्रमशेट्टी उमामहेश्वर राव ने उपस्थित लोगों को पीठम की विशेषताओं से अवगत कराया। इसी तरह, डॉ. पद्मावती ने सदस्यों को उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी दी। इस महासभा में आए सभी सदस्यों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई थी।

इस कार्यक्रम में पीठ के संयोजक पेरूरी सूरीबाबू, हैदराबाद आश्रम के मीडिया संयोजक डॉ. सुनील कुमार यांड्रा, केंद्रीय समिति के सदस्य डॉ. पिंगली आनंद कुमार, ए.वी.वी. सत्यनारायण, एनटीवी प्रसाद वर्मा सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

बाल कवयित्री सानवी त्रिपाठी को मिला 'द्रौपदी–किशोरीलाल स्मृति साहित्य गौरव सम्मान'

काव्य पाठ से बटोरी वाहवाही, अब तक कई साहित्यिक सम्मानों से हो चुकी हैं अलंकृत

प्रतापगढ़। जनपद की उभरती बाल कवयित्री सानवी त्रिपाठी को उनके उल्लेखनीय साहित्यिक योगदान एवं रचनात्मक उपलब्धियों के लिए सृजना साहित्यिक संस्था, उत्तर प्रदेश की ओर से 'द्रौपदी–किशोरीलाल स्मृति साहित्य गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, प्रतापगढ़ में आयोजित समारोह में जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. दयाराम मौर्य श्रत्नश एवं हरीलाल श्मिलनश ने उन्हें सम्मान प्रदान करते हुए उज्ज्वल साहित्यिक भविष्य की मंगलकामना की। यह आयोजन वरिष्ठ कवि अमरनाथ गुप्ता श्बेजोड़श के काव्य संग्रह श्जीवन अनमोलश के लोकार्पण समारोह के अवसर पर संपन्न हुआ। इस दौरान सानवी ने प्रभावशाली काव्य पाठ कर उपस्थित साहित्यप्रेमियों की खूब सराहना बटोरी और सभी का आशीर्वाद प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि सानवी इससे पूर्व प्रतापगढ़ में शिवाला महोत्सव सम्मान, गाजियाबाद में साहित्य श्री सम्मान, लखनऊ में अमृत कलश सम्मान तथा आगरा के राष्ट्रीय मंच पर सरस्वती सम्मान से भी सम्मानित हो चुकी हैं। साहित्य के प्रति उनकी रुचि और प्रतिभा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह अपनी बुआ ज्योति की तरह विभिन्न साहित्यिक मंचों पर पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी कविताएं और कहानियां प्रस्तुत करती हैं। उनकी अधिकांश रचनाएं मौलिक एवं स्वयं की लिखी हुई हैं। दादी के स्नेह और उनके व्यक्तित्व पर आधारित सानवी की एक रचना आगरा से प्रकाशित साझा काव्य संकलन श्काव्य मंजरीश में भी स्थान प्राप्त कर चुकी है। सानवी की इस उपलब्धि से उनके परिवार में हर्ष का माहौल है। वहीं जनपद के साहित्यिक जगत के लोगों ने भी उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।



काशी क्षेत्र की भाजपा सोशल मीडिया टीम में मनोज सिंह को मिली जिम्मेदारी

12 सदस्यीय क्षेत्रीय टीम में किए गए शामिल, संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों को डिजिटल माध्यम से जन–जन तक पहुंचाने का मिलेगा अवसर

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी ने सोशल मीडिया विभाग के संगठनात्मक ढांचे को मजबूती देते हुए काशी क्षेत्र की नई क्षेत्रीय टीम घोषित की है। इस टीम में बाबा बेलखरनाथ ब्लॉक क्षेत्र स्थित फेनहा ग्रामसभा निवासी मनोज सिंह को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उनके चयन से समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। भाजपा काशी क्षेत्र के क्षेत्र अध्यक्ष अशोक चौरसिया और प्रदेश संयोजक सोशल मीडिया विभाग हिमांशु राज पंडित की संस्तुति पर घोषित 12 सदस्यीय टीम में मनोज सिंह के साथ ऋषिकेश, अंकित तिवारी, राम सागर गुप्ता, राज मिश्रा, शिवाकांत शर्मा, विवेक मिश्रा, दिलीप चौरसिया, राजेश कुशवाहा, रमानंद मिश्रा (हिमांशु), अखिलेश उपाध्याय और सुनीता गुप्ता को भी स्थान दिया गया है।क्षेत्रीय टीम की घोषणा सोशल मीडिया विभाग के काशी क्षेत्र संयोजक अतुल कुमार पांडेय और क्षेत्र अध्यक्ष अशोक चौरसिया की ओर से की गई है। नई टीम के सदस्यों से पार्टी की नीतियों, संगठनात्मक गतिविधियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों के जरिए व्यापक स्तर पर पहुंचाने की अपेक्षा की गई है।



हँसी का पाठ पढाते

(छप्पय)

साँसों का संवाद धड़कते दिल ने सुनकर।
खोजा अपने आप खुदी को खुद के अंदर।
बाहर का यह शोर व्यर्थ ही मन भरमाता।
अंतर का आलोक राह सच्ची दिखलाता।
गहराई से कर मनन टूटेंगे सारे भरम।
आत्मबोध से ही सधे कहते हैं सारे धरम।।

देख प्रेम विश्वास सवेरा दिल में जागा।
घटना घटी अज़ीब हताशा मुड़कर भागा।
रूठ गए संवाद हँसी का पाठ पढ़ाते।
उभरी नूतन आस नींद तज ख्वाब सजाते।
जीवन का हर मोड़ ही सुखद पलो का सार है।।
पहले अनुभव कीजिए फिर कहिए विश्वास है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कानपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

कानपुर स शहर समता विचार मंच कानपुर इकाई की नवम्बर माह की गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन एवम् अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि हेमा पांडे जी रहीं। यह काव्य गोष्ठी दोपहर 01.00 बजे से 2रू00बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही श्रद्धा



श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सुषमा सिंह उर्मि द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन पुष्पा सिंह ने किया। इस काव्य गोष्ठी में अनीता गुप्ता सुषमा त्रिपाठी, सुषमा सिंह उर्मि, शिप्रा सिंह,रेखा श्रीवास्तव, पुष्पा सिंह,हेमा पांडे एवम् श्रद्धा श्रीवास्तव ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया।

उत्तर मध्य रेलवे

E-Tender Notice No.:- CM-1/Magh Mela/Sanitation/PRYJ/2026 दिनांक : 21.11.2026

ई-निविदा के लिये सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है,जिसका विवरण निम्नलिखित है :-

ई-टेंडर निविदा सूचना संख्या: GEM/2026/B/8303150 Dated 21.11.2026, कार्य का नाम: संगम एरिया/मेला क्षेत्र & नैनी रेलवे स्टेशन पर बने स्थाई/अस्थाई इन्क्लोजर तथा प्रयागराज, सुबेदारगंज, नैनी, प्रयागराज छिवकी, फतेहपुर, मानिकपुर रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के ठहरने हेतु स्थाई/अस्थायी आवासों एवं नैनी रेलवे स्टेशन की साफ-सफाई कराने के लिए निविदा।

कार्य का अनुमानित लागत (जी.एस.टी. सहित): ₹ 59,84,841.77/- | धरोहर राशि: ₹ 1,19,700/-

निविदा सिस्टम: दो पैकेट सिस्टम | ठेके की अवधि: माघ मेला-27 के दौरान (55 दिन)

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 14.12.2026 at 15:00 Hrs.

निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 15.12.2026 at 15:00 Hrs.

नोट: (1) उपरोक्त ई निविदा का पूरा विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) Gem वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.gem.gov.in पर टेंडर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरो को चाहिए कि वे अपने आपको Gem की वेबसाइट पर पंजीकृत कराये। (3) संलग्न किये जाने वाले सभी दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। (4) ई निविदा फार्म सभी निविदाकारों को निशुल्क जारी किये जायेगें। (5) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए Gem की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 2648/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 9820262027 दिनांक: 20.11.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये, निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित ई-निविदा, दिनांक 22.12.2026 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्रम सं.: 1 | निविदा सं.: 207

कार्य का विवरण: सहायक मंडल अभियंता/लाइन/प्रयागराज के अधीन क्षेत्र में सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर स्टेबलिंग लाइनों का प्रावधान तथा अन्य विविध कार्य।

कार्य का अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 3,67,06,518.00 | बयाने की रकम (रू.): ₹ 7,34,100.00

कार्य समापन की अवधि: 18 (अठारह) माह | निविदा खुलने की तिथि : 22.12.2026

न्यूनतम वांछनीय आधार के लिये 'सिमिलर वर्क': कोई भी पी-वे का कार्य

क्रम सं.: 2 | निविदा सं.: 208

कार्य का विवरण: वरिष्ठ मंडल अभियंता/द्वितीय/प्रयागराज के अधिकार क्षेत्र में प्रयागराज-कानपुर खंड में डू रेल नवीनीकरण - प्राथमिक (टी0आर0आर0-पी0) तथा अन्य विविध कार्य।

कार्य का अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 2,70,72,740.22 | बयाने की रकम (रू.): ₹ 5,41,500.00

कार्य समापन की अवधि: 24 (चौबीस) माह | निविदा खुलने की तिथि : 22.12.2026

न्यूनतम वांछनीय आधार के लिये 'सिमिलर वर्क': कोई भी पी-वे का कार्य

नोट:- (1) ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदाकर्ताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि 22.12.2026 तक उपलब्ध है। (3) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act. 2000 के अंतर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत कराये। (4) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न है, तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (5) निविदाकर्ता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। (6) माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी. एस. टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। (7) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। (8) बयाने की राशि केवल नेटबैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। (9) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (10) आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि 22.12.2026 को समय 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (11) निविदाकर्ता को जी.सी.सी. 2022 भाग-I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 2647/26 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

यमुना भी मैली

पिछले दिनों दिल्ली के यमुना तटों पर छठ पर्व के मौके पर रासायनिक झाग के बीच सूर्य को अर्घ्य देती महिला श्रद्धालुओं की तस्वीरों ने पूरे देश को विचलित किया। तंत्र की काहिली देखिए कि पर्व के दौरान भी श्रद्धालुओं को प्रदूषण मुक्त पानी वाले घाट नहीं मिल सके। लेकिन अब यमुना के पानी को जहरीले रसायनों वाले झाग से मुक्त करने के दावे किए जा रहे हैं। यह विडंबना ही है कि हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बाद यमुना और मैली हो गई है। मैली यमुना फैक्ट्री मालिकों और लोगों की आपराधिक लापरवाही तथा तंत्र की काहिली की दास्तां बयां करती है। यही वजह है कि पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने यमुना नदी में गिरने वाले 520 नालों और सफाई के सरकारी प्रयासों पर सवाल उठाए हैं। विडंबना यही है कि जब तक कोई राजनीतिक दल विपक्ष में होता है, तब तक अपनी सुविधा के हिसाब से यमुना की सफाई पर सवाल उठाता है, लेकिन जब वही राजनीतिक दल सत्ता में आता है तो खामोशी ओढ़ लेता है। बहरहाल, पिछले कई दशकों से यमुना के प्रदूषित होने का प्रश्न पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ी सार्वजनिक बहसों के केंद्र में रहा है। लेकिन राजनीतिक दलों के लिए यह चुनाव की दृष्टि से सुविधा का मुद्दा ही रहा है। विपक्ष में हैं तो यमुना की सफाई को मुद्दा बनाया जाता है। सत्ता में आते ही चुप्पी साध ली जाती है। जाहिर है, इसकी सफाई के लिए ईमानदार प्रयास होते ही नहीं। यदि होते तो यमुना की यह दुर्दशा ही न होती। मौलिक सवाल यही है कि यदि यमुना की सफाई में हजारों करोड़ रुपये खर्च हुए हैं तो यमुना मैली की मैली क्यों है? आज वह दुनिया की सबसे प्रदूषित नदियों में क्यों शामिल है? सवाल सरकारों की इच्छाशक्ति का भी है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने यमुना की दुर्दशा पर लगातार सवाल उठाए हैं। शीर्ष अदालत ने सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि यमुना की सफाई पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद प्रदूषण पहले के मुकाबले और कैसे बढ़ गया है? वह भारी–भरकम राशि कहां गई, जो सफाई पर खर्च की गई थी? आखिर क्या वजह है कि नदी का पानी उपयोग लायक नहीं रह गया? सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का भी उल्लेख किया कि गंदा पानी ले जाने वाले 520 नाले यमुना में क्यों गिराए जा रहे हैं? कोर्ट ने प्रश्न किया कि जिन विभागों की जिम्मेदारी यमुना में गंदे नालों को जाने से रोकने की थी, उन्होंने क्या किया? यही वजह है कि अदालत ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से कहा है कि राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और जनपदों में यमुना में गिरने वाले नालों की निगरानी की जाए। कोर्ट ने यमुना की सफाई के मुद्दे पर राजनीतिक दलों की सुविधा की राजनीति पर प्रश्न उठाए। अदालत ने इस मुद्दे पर सरकारों और राजनीतिक दलों को इच्छाशक्ति दर्शाने की नसीहत भी दी। बहरहाल, तंत्र की नाकामी के साथ–साथ नागरिक भी गैर–जिम्मेदार व्यवहार के लिए दोषी हैं। नागरिकों को आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए यमुना को साफ करने का बीड़ा उठाना चाहिए।

आईआईटी से आईटीआई तक एक जैसे बुरे हाल

डॉ. दीपक पाचपोर

नौकरी मिलना या न मिलना तो एक अलग ही जद्दोजहद है, जिससे युवा रोज जूझ रहे हैं। लेकिन अब उन्हें इस बात के लिए उलाहना दी जा रही है कि वे कागजी सर्टिफिकेट लेकर घूम रहे हैं और कोट–पैंट पहन रहे हैं।

मतलब देश के प्रधानमंत्री ने अब नौजवानों को बांटने का काम शुरु कर दिया है। एक तरफ वे युवा हैं जो प्रतियोगी परीक्षाओं या अन्य चयन प्रक्रियाओं को पूरा करके उच्च शिक्षा हासिल करते हैं। उन्हें डिग्री पूरी करने के बाद प्रमाणपत्र मिलते हैं और फिर वे नौकरी हासिल करने के लिए औपचारिक वेषभूषा यानी कमीज–पतलून और टाई या कोट पहनकर साक्षात्कार के लिए जाते हैं। नौकरी मिलना या न मिलना तो एक अलग ही जद्दोजहद है, जिससे युवा रोज जूझ रहे हैं। लेकिन अब उन्हें इस बात के लिए उलाहना दी जा रही है कि वे कागजी सर्टिफिकेट लेकर घूम रहे हैं और कोट–पैंट पहन रहे हैं। यह उलाहना नाते–रिश्तेदार, जान–पहचान के लोग देते तो इसे टाला भी जा सकता है, लेकिन यह बात सीधे प्रधानमंत्री के मुंह से निकली है। वो प्रधानमंत्री जिसने इस पद को हासिल करने के लिए देश के युवाओं को सपना दिखाया था कि हर साल दो करोड़ रोजगार दिए जाएंगे। अब रोजगार की जगह युवाओं के बीच ही वर्ग बना कर उन्हें बांटा जा रहा है। मोदी का कहना है कि अब हुनर वालों की कद्र होने वाली है, उनकी मांग बढ़ने वाली है। तो क्या मोदी यह मानते हैं कि जिन लोगों ने पांच–सात साल लगाकर उच्च शिक्षा संस्थान से डिग्री ली है, उनमें हुनर नहीं है। क्या हुनर केवल कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसे औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) और इंस्टिट्यूट फॉर ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (आईटीओटी) से निकले युवाओं के पास ही है। बता दें कि साल 2022 से कौशल दीक्षांत समारोह की शुरुआत मोदी सरकार ने की थी। सरकार के अनुसार इसका उद्देश्य श्रम को प्रतिष्ठा दिलाना, हुनरमंद युवाओं का सम्मान बढ़ाना और यह संदेश देना है कि कौशल प्रशिक्षण भी उज्ज्वल करियर का सशक्त माध्यम है। अच्छी बात है कि जिन युवाओं को इंजीनियरिंग या मेडिकल या एमबीएम में दाखिला नहीं मिल पाता, और जो परिस्थितिवश आईटीआई जैसे संस्थानों से पढ़ते हैं, उन्हें दीक्षांत समारोह में सम्मानित कर उनके आत्मविश्वास को बरकरार रखा जाए। लेकिन क्या इसके लिए यह जरूरी है कि अन्य डिग्रीधारियों का अपमान किया जाए। मोदी का यह बयान हॉर्वर्ड से हार्ड वर्क की तुलना करने जैसा ही है। पता नहीं कौन सी कुंठा या हीनभावना का शिकार हैं मोदी कि बार–बार कुलीनता या आभिजात्य को नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। उनकी इस कुंठा का ही सबसे ज्यादा नुकसान नौजवानों को उठाना पड़ रहा है। लखनऊ से पहले मोदी खड़गपुर आईआईटी में भी गए थे। इस संस्थान की गिनती दुनिया के श्रेष्ठ उच्च शिक्षा संस्थानों मे होती है। सुंदर पिचाई और अरविंद केजरीवाल जैसे कई नामी–गिरामी लोग इसी आईआईटी खड़गपुर की देन हैं। आईआईटी में दाखिले के लिए देश के लाखों बच्चे कितनी मेहनत करते हैं, यह उनके मां–बाप और शिक्षक जानते हैं। बल्कि कोचिंग संस्थानों का अरबों का धंधा आईआईटी में दाखिले के नाम पर ही खड़ा हुआ। अगर सरकार शिक्षा को अपनी प्राथमिकता में रखती और देश में ज्यादा से ज्यादा इंजीनियरिंग कॉलेज, आईआईटी खोलती, तो बच्चों को दाखिले के लिए असह्य मानसिक तनाव से न गुजरना पड़ता। खैर, वह अलग चर्चा का विषय है। लेकिन शनिवार को यह देखकर पीड़ा हुई कि आईआईटी खड़गपुर तक जो बच्चे अपनी मेहनत से पहुंचे, वहां उन्हें प्रधानमंत्री की बेतुकी बातें सुननी पड़ीं। नेहरू की पहल पर बने आईआईटी खड़गपुर को 75 साल हो चुके हैं, इस मौके पर मोदी ने शविकसित भारत के लिए 75 आवाजेंय पहल के अंतर्गत 75 छात्रों से संवाद किया। जिसमें कहा गया कि नवाचार, आत्मनिर्भरता और विकसित भारत के निर्माण पर चर्चा हुई। लेकिन मोदी ने जिस तरह छात्रों से बातचीत की, उनके वीडियो देखकर लगता है कि उसमें नवाचार नहीं बल्कि बेतुकी बातें ज्यादा दिखीं। मोदी ने छात्रों को ऐसी 100 चीजों की पहचान करने के लिए कहा जिनका भारत आयात करता है, ताकि देश में ही उनका समाधान निकालकर उत्पादन और निर्यात शुरू किया जा सके। फिर ऐसी व्यवस्था विकसित करने कहा जिससे छात्रों की गतिविधियों का विश्लेषण कर माता–पिता को यह समझने में मदद मिले कि उनका बच्चा किस क्षेत्र में आगे बढ़ सकता है। मोदी ने छात्रों से साफ कहा कि विकसित भारत तो आप ही बनाएंगे। पहली बार देश ऐसा प्रधानमंत्री देख रहा है जो खुद कुछ नहीं करता, और बाकी सबसे काम करने के लिए कहता है। अभी उद्योगपतियों से मोदी ने कहा था कि आप नौकरी दीजिए, वेतन बढ़ाइए। अब वो छात्रों से कह रहे हैं कि देश में उत्पादन और निर्यात शुरु करने के लिए काम करिए। बेशक देश के नौजवान ये सब करेंगे, लेकिन क्या मोदी ने इसके लिए उन्हें संसाधन और सुविधाएं दी हैं। एक लाख से ज्यादा स्कूल बंद करके जहां बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से वंचित किया गया है, पेपर लीक के कारण बच्चे आत्महत्या करते हैं और मोदी अफसोस भी नहीं करते, शैक्षणिक संस्थानों में वैज्ञानिक सोच की जगह दकियानूसी बातों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जाति, धर्म के नाम पर छात्रों से भेदभाव होता है, शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होती, शोध कार्यों को प्रोत्साहन नहीं मिलता, और ऊपर से मोदी चाहते हैं कि छात्र आयात कम करने और निर्यात बढ़ाने में मदद करें। खड़गपुर और लखनऊ दोनों जगहों में दो अलग–अलग शैक्षणिक योग्यता वाले युवाओं से मोदी का संवाद एक जैसा निम्नस्तरीय और निराशाजनक रहा।

शेनझेन त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन ने की चीन की वैश्विक छवि मजबूत

नित्य चक्रवर्ती

गुरुवार, 19 नवंबर को शेनझेन में हुए 90 मिनट के त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन में अमेरिका, चीन और रूस के राष्ट्रपतियों ने हिस्सा लिया। इस सम्मेलन ने मौजूदा वैश्विक कूटनीति में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मजबूत स्थिति को साबित कर दिया, क्योंकि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प को वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए अपने चार–सूत्री एजंडे को शेनझेन घोषणा–पत्र का हिस्सा बनाने के लिए राजी कर लिया। यह त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन केवल चीन द्वारा तैयार किया गया एक दिखावा नहीं थाय बल्कि, इसमें हुई स्पष्ट बातचीत ने दुनिया की इन तीन प्रमुख शक्तियों को एक–दूसरे के करीब ला दिया। इन तीनों देशों को मौजूदा अस्थिर हालात से मिलकर निपटने के लिए एक–दूसरे के सहयोग की जरूरत थी। यह घोषणा–पत्र संक्षिप्त था और इसमें केवल नेक इरादे जाहिर किए गए थे, लेकिन इसका सबसे सकारात्मक पहलू यह था कि इसमें पूर्ण परमाणु युद्ध को टालने के लिए बातचीत और चर्चा पर जोर दिया गया। ट्रम्प ने शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन से बातचीत की शुरुआत करते हुए कहा कि–हम इतिहास रच रहे हैंय। उन्होंने कहा कि अमेरिका, चीन और रूस ऐसी स्थिति में हैं जहां वे अपने परमाणु जखीरे पर चर्चा कर सकते हैं और इनके इस्तेमाल के जोखिम को कम कर सकते हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा कि बातचीत के मौकों को ठुकरा कर शांति हासिल नहीं की जा सकती। ट्रम्प की बातों में ईमानदारी झलक रही थी, और शी तथा पुतिन ने भी उसी तरह सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। यह शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका और रूस के बीच मौजूदा परमाणु समझौता फरवरी 2027 में खत्म होने वाला है। इसके अलावा, व्यापार वार्ता के संदर्भ में, पिछले मई के शिखर सम्मेलन में चीन और अमेरिका के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत चीन अमेरिका को महत्वपूर्ण खनिज निर्यात करता है, और अमेरिका चीन को एआई चिप्स निर्यात करता है। यह समझौता भी जनवरी 2027 में समाप्त हो रहा है। इसलिए, चीन और अमेरिका दोनों को इस बात पर गहन चर्चा करने की जरूरत थी कि एनवीडिया विवाद के बावजूद अमेरिका–चीन व्यापार की गति को कैसे बनाए रखा जाए। जहां तक रूस की बात है, पुतिन यूक्रेन युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता खोजने के लिए ट्रम्प पर निर्भर हैं। वह चाहते हैं कि एक नए समझौते के तहत, वर्तमान में रूस के कब्जे वाले इलाके रूस के पास ही रह जाएं। ट्रम्प के मनाने के बावजूद, यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की इन शर्तों को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्हें यूरोपीय ताकतों का समर्थन मिल रहा है, जो उन्हें ट्रम्प की बात न मानने और यूरोपीय हथियारों एवं फंड की मदद से रूस के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के लिए उकसा रही हैं। ट्रम्प के लिए परेशानी की बात यह रही कि 19 नवंबर को बर्लिन में यूरोप के 20 देशों के प्रमुखों और नाटो के महासचिव मार्क रुटे ने बैठक की, ताकि यूक्रेन की मदद के लिए कोई योजना बनाई जा सके। उन्होंने 2027 तक के लिए एक फंडिंग कार्यक्रम पर काम किया। इस बैठक में राष्ट्रपति जेलेंस्की भी शामिल हुए। दूसरी ओर, शेनझेन में अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने भी यूक्रेन को लेकर अपनाई गई नीति का मजाक उड़ाया और 2014 के श्यूरोमैदान तख्तापलटश में अमेरिका की भूमिका की आलोचना की। इसलिए, ट्रम्प ऐसी कोई ठोस योजना पुतिन को नहीं दे पाए, जो यूक्रेन के राष्ट्रपति को भी मंजूर हो। लेकिन पुतिन के पास कोई और विकल्प नहीं है। उन्हें अपनी इज्जत बचाते हुए युद्ध से बाहर निकलने के लिए ट्रम्प पर ही निर्भर रहना होगा। लगभग पांच साल के युद्ध में रूस की अर्थव्यवस्था और सेना को भारी नुकसान पहुंचा है, जबकि यूक्रेन पूरी तरह से बर्बाद हो चुका है और वहां दस लाख से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। बेहतर यही होगा कि ट्रम्प की मदद से यूक्रेन युद्ध समाप्त हो जाए। त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन से ठीक पहले, शेनझेन में तीन द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन हुए, जिनमें सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। सबसे पहले, शी और पुतिन के बीच बैठक हुई, जिसमें ट्रम्प से निपटने के लिए एक साझा रणनीति बनाने पर बात हुई। इसके बाद ट्रम्प और शी के बीच बैठक हुई, जिसमें व्यापारिक मुद्दों पर चर्चा की गई। इसमें मुख्य रूप से चीन को एआई चिप्स के निर्यात की मौजूदा व्यवस्था को जारी रखने पर ध्यान दिया गया। हालांकि चीन ने वैकल्पिक आपूर्ति के लिए दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत शुरू कर दी है, लेकिन इस समय चीनी हाई–टेक उद्योग के लिए अमेरिकी चिप्स बहुत जरूरी हैं। शी और ट्रम्प ने एक समझौता निकालने की कोशिश की। इस पर आगे की चर्चा मियामी में होने वाले अगले दौर की बातचीत में होगी, जब राष्ट्रपति शी 14 और 15 दिसंबर को जी–20 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। पुतिन के साथ ट्रम्प की द्विपक्षीय बैठक के एजंडे में यूक्रेन युद्ध और परमाणु समझौता शामिल थे, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान यूक्रेन युद्ध पर रहा। पुतिन ने बर्लिन में यूरोपीय शक्तियों की बैठक को लेकर अपनी चिंता जताई और कहा कि इससे जेलेंस्की को ट्रम्प के किसी भी प्रस्ताव को ठुकराने का बढ़ावा मिल सकता है। आबू धाबी में रूसी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच हाल ही में हुई बातचीत के नतीजों की समीक्षा की गई। ट्रम्प, रूसी राष्ट्रपति की शर्तों पर युद्ध खत्म करने के लिए पुतिन को कोई गारंटी नहीं दे सके। चीनी मीडिया इस त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन को शनियम–आधारित अंतरराष्ट्रीय



व्यवस्थाश वाली दुनिया बनाने की चीन की नीति की एक बड़ी सफलता के रूप में पेश कर रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग के ठंडे रवैये के बावजूद, चीन ने ही इस शिखर सम्मेलन की पहल की थी। शेनझेन घोषणापत्र का प्ररूप सबसे पहले चीन के सरकारी मीडिया ने जारी किया। व्हाइट हाउस ने काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। शिखर सम्मेलन खत्म होते ही ट्रम्प बिना प्रेस से कुछ कहे हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गए। यह सब चीन का एक बड़ा दिखावा था, जिसका मकसद यह साबित करना था कि अमेरिकी राष्ट्रपति की ताकत के कमजोर होने के मौजूदा दौर में, राष्ट्रपति शी जिनपिंग वैश्विक कूटनीति के सबसे बड़े नेता के रूप में उभरे हैं। शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति शी ने चार बातें रखीं कि कैसे प्रमुख देश आपस में मिल–जुलकर रह सकते हैं और मिलकर विश्व शांति को मजबूत कर सकते हैं। शी ने कहा कि प्रमुख देशों को आपसी सम्मान, शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व, दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद सहयोग, और बातचीत व परामर्श को बढ़ावा देना चाहिए। चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि चीन, रूस और अमेरिका को साझेदार और दोस्त होना चाहिए, तथा उन्हें आपस में टकराव या संघर्ष की स्थिति से बचना चाहिए। इस त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन में आपसी सहयोग के लिए एक सकारात्मक माहौल देखने को मिला। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले महीनों में यूक्रेन युद्ध और ईरान–इजरायल के बीच चल रहे टकराव जैसे मुद्दों को सुलझाने के लिए इस सहयोगात्मक भावना को कैसे आगे बढ़ाया जाता है।

हिन्दू–मुस्लिम चलाने के लिए बीजेपी को मुस्लिम नेताओं का सहारा

शकील अख्तर

उत्तर प्रदेश में बीजेपी के शासन से मुस्लिम नेता खुश हैं और उसे फिर से सत्ता दिलाने की तैयारी कर रहे हैं! डबल इंजन सरकार का हिन्दू–मुस्लिम चल नहीं पा रहा था तो इसे चलाने की जिम्मेदारी मुस्लिम नेताओं ने ले ली। अलग–अलग पार्टी के नेता आपस में दाढ़ी पर बहस करने लगे। जनता विपक्ष से अपनी वास्तविक समस्याओं पर बात चाहती थी। महंगाई, बेरोजगारी, टूटी सड़कों, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर। मगर विपक्ष के मुस्लिम नेताओं की पहली प्रायरटी एक दूसरे पर स्कोर सेटल करने की लग रही है। दाढ़ी है, दाढ़ी नहीं है, दाढ़ी का मतलब क्या है जैसे अप्रासंगिक सवाल चुनाव के केन्द्र में ला रहे हैं। बीजेपी तो चाहती ही यही है कि चुनाव में उसकी दस साल की नाकामयाबियों पर बात नहीं हो बल्कि दाढ़ी, बुर्का, नमाज, अजान पर हो। मुख्यमंत्री योगी ने साफ कहा कि चुनाव 80–20 का होगा। यही उनका एकमात्र हथियार है। दस साल पहले 2017 में हिन्दू–मुस्लिम विभाजन के आधार पर ही प्रधानमंत्री मोदी ने यूपी में चुनाव प्रचार किया था। श्मशान कब्रिस्तान की बात की थी। मगर जनता ने देख लिया कि जिस श्मशान के नाम पर वोट मांगे थे वहां लकड़ियों तक कि व्यवस्था नहीं कर पाए और कोविड में लोगों को अपने परिजनों के शव पुलों से नीचे फेंकने पड़े, रेत में दबा कर आना पड़ा। जनता की समझ में आ रहा है कि यह सिर्फ बातें करते हैं। उसे अमल में लाने की कोई इच्छा नहीं होती। एक के बाद एक जुमले फेंको और आगे बढ़ते जाओ! भैंस तक को चर्चा में ले आओ। कितना विकास किया उन्होंने सोचिए भैंस मुख्य चर्चा में! ये लोग नेहरू तक की बात करते हैं। मुगलों तक चले जाते हैं। एक हजार साल पहले मोहम्मद गजनी तक। मगर पांच हजार साल पहले तक के भारत के इतिहास पर चले जाओ कहीं भैंस ऐसी चर्चा में नहीं मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा मुख्यमंत्री ने कहा! प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तुम्हारी भैंस उठा कर ले जाएंगे! उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भैंस चरा रहे होते! अखिलेश यादव ने इसका अच्छा जवाब दिया और वह भी योगी के निर्वाचन क्षेत्र गोरखपुर जाकर कि जनता बताए कि क्या गाय–भैंस चराना कोई अपराध है? अखिलेश को जवाब देना पड़ा क्योंकि हिकारत से उन्हीं के लिए सेफई में भैंस चराते होते मुख्यमंत्री योगी ने कहा था। लेकिन जनता के मन में यह सवाल आना चाहिए कि कभी देश में नेता लोग शिक्षा, नौकरी, स्वास्थ्य सेवाओं पर बात करते थे और आज के सत्ताधारी या तो हिन्दू–मुस्लिम करते हैं या भैंस की बात ले आते हैं। नेहरू के पीछे इसीलिए पड़े रहते हैं कि वे साइंटिफिक टेंपर (वैज्ञानिक मिजाज) की बात करते थे। ये देश को आगे ले जाने के बदले पीछे ले जाने की बात करते हैं। नेहरू ने एम्स आईआईटी खोले की डाक्टर–ईंजीनियर बनो। ये कहते हैं पकोड़े बेचो। जनता की समझ में आने लगा है। राजस्थान के पंचायती चुनाव इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। बीजेपी का सूपड़ा साफ हो गया। पंचायतों के चुनाव में आम तौर पर सत्ता पक्ष ही जीतता है। सारे संसाधन उसके पास होते हैं। विपक्ष को लड़ने ही नहीं देता। कुछ साल पहले हुए यूपी के पंचायत चुनावों में सबने देखा। नामांकन ही नहीं भरने दिए गए। खूब वीडियो वायरल हुए कि नामिनेशन पेपर ही छीन लिया। मगर नाराजगी इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि राजस्थान में कोई हरबा काम नहीं आया। उलटी पड़ गईं सब तदबीरें कुछ दवा ने काम किया! और यह स्थिति केवल राजस्थान में ही नहीं जहां–जहां डबल इंजन की सरकारें हैं सब जगह है। अगले साल 2027 में सात राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं। पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में साल शुरू होते ही और गुजरात एवं हिमाचल में साल के अंत में। भाजपा के लिए बहुत मुश्किल। तीन बड़े राज्यों में से पंजाब में उसका कुछ है नहीं है और उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड में भारी एंटी इन्क्मबेंसी। राजस्थान भी इन्हीं की तरह एक हिन्दी राज्य है। वहां के नतीजे भाजपा के खिलाफ नाराजगी के तौर पर देखे जा रहे हैं। भाजपा के पास इसका इलाज क्या है? वह जनता को सुविधाएं देने की सोच से काम करती नहीं है। वह तो केवल धार्मिक ध्रुवीकरण जानती है और इस बार इन सात राज्यों में से सबसे ज्यादा निगाहें जहां रहने वाली हैं उस उत्तर प्रदेश में धार्मिक ध्रुवीकरण चलता दिखाई नहीं दे रहा है। इसी काम की मदद के लिए ओवैसी को लाया गया है। बीजेपी बहुसंख्यक समाज का ध्रुवीकरण करती है और अल्पसंख्यकों का ओवैसी करें यह इनका गेम प्लान था। ओवैसी बिल्कुल निम्न स्तर पर उतर यह काम कर रहे हैं। मुस्लिम को संघ बीजेपी के दिए नाम अब्दुल से संबोधित करके उन्हीं के द्वारा उसे दरी बिछाने वाला बताने को दोहराने से लेकर कांग्रेस समाजवादी पार्टी के नेताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करने तक वे कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मगर फिर भी असर नहीं हो रहा। तो आजम खान उन्हीं की जबान में उन्हें जवाब देने लगे। और फिर इमरान मसूद कहां चुप रहने वाले थे। वे दाढ़ी पर अपने विचार देने लगे। दाढ़ी पर आप लोगों के विचारों की जरूरत क्या है? बहाना यह होता है कि मीडिया ने पूछा था। अच्छा! अगर पूछा था तो जवाब देना जरूरी है? गलत मंशा से पूछे गए सवाल का जवाब देना राजनीति में बेवकूफी कहलाता है। कोई समझदार नेता कभी लोडेड सवाल (फंसाने वाला) का जवाब नहीं देता। यह लोग खुद को बेवकूफ साबित कर रहे हैं या यह भी ध्रुवीकरण की साजिश में शामिल हैं? ओवैसी की तो भाषा, इरादे सब बहुत निम्न स्तर के हैं। राहुल गांधी की जिस तरह उन्होंने मिमिक्री की थी वह बहुत ही शर्मनाक है। बीजेपी और संघ परिवार के स्तर की और फिर इस चुनाव में सारे मुस्लिम को एक ही नाम अब्दुल से बुलाकर उनकी सारी व्यक्तिगत पहचान खत्म करके उसे दरी बिछाने वाला बताकर उन्होंने यह भी साबित कर दिया कि उन्हें मुसलमानों से भी कोई मतलब नहीं है। केवल बीजेपी का हुक्म बजाना है। क्या उन्हें मालूम है कि एक समय में दलितों को ऐसे ही अपमानित करने के लिए संघ के लोग उन्हें जगजीवन राम के नाम से पुकारते थे? यह अपने हिसाब से नाम रखना अपमानित करने का एक तरीका है। राही मासूम रजा ने अपने उपन्यास नीम का पेड़ में इसे बहुत अच्छी तरह लिखा है कि कैसे लोगों को छोटा बताने के लिए उसका नाम बिगाड़ा जाता है या उसे नया नाम दिया जाता है। यह चुनाव जितना मुसलमानों के लिए महत्वपूर्ण है उससे कहीं ज्यादा बहुसंख्यकों के लिए। बीजेपी के खाली इस दावे कि मुसलमान को अब्दुल बना दिया है अब्दुल मतलब चेहरा, पहचान विहिन बनाने से उसे क्या मिला? उसके बच्चों को नौकरी मिली? उसकी खुद की नौकरी बची? एक बहुत अच्छी कविता है– मुसलमान से पूछा– दुखी हो? उसने कहा–हां! अपने हिन्दू भाइयों को परेशान देखकर पहले नौकरी थी काम था बच्चे पढ़ते थे अब पांच किलो मुफ्त अनाज है सबसे नीचे आ गए!

पहले शुभमन गिल, अब राजवीर देओल... सारा तेंदुलकर की लव लाइफ बार-बार क्यों बन रही चर्चा का टॉपिक



भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि सारा का नाम सनी देओल के बेटे राजवीर देओल के साथ जुड़ रहा है और दोनों जल्द शादी कर सकते हैं। हालांकि, इन खबरों को लेकर अब एक नया अपडेट सामने आया है। सारा के करीबी सूत्र ने इन खबरों को अफवाह बताया है।

क्या राजवीर देओल से शादी करने वाली हैं सारा तेंदुलकर?

बॉम्बे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सारा से जुड़े एक सूत्र ने बताया है कि राजवीर देओल के साथ उनकी शादी की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। सूत्र ने कहा कि दोनों अभी तक एक-दूसरे से मिले भी नहीं हैं। सूत्र के मुताबिक, सारा इन अफवाहों को कोई तवज्जो नहीं देना चाहतीं। यही वजह है कि वह इन खबरों पर कोई आधिकारिक बयान भी जारी नहीं करेंगी।

> सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर और राजवीर देओल की शादी की खबरों को सारा के करीबी सूत्रों ने पूरी तरह अफवाह बताया है। सूत्र के मुताबिक दोनों अभी तक एक-दूसरे से मिले भी नहीं हैं। गौरतलब है कि राजवीर से पहले सारा का नाम भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ भी चर्चा में रह चुका है।

पहले शुभमन गिल के साथ भी जुड़ चुका है सारा का नाम

राजवीर देओल से पहले भी सारा तेंदुलकर का नाम एक मशहूर चेहरे के साथ जुड़ चुका है। यह चेहरा बॉलीवुड से नहीं, बल्कि क्रिकेट की दुनिया से है। हम बात कर रहे हैं भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल की। कुछ समय पहले सारा तेंदुलकर और शुभमन गिल के रिश्ते को लेकर खूब चर्चाएं हुई थीं। यहां तक कि दोनों की शादी की खबरें भी सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी थीं।

क्रिकेट मैदान पर शुभमन को सपोर्ट करने पहुंचती थीं सारा

सारा तेंदुलकर और शुभमन गिल के नाम जुड़ने की शुरुआत तब हुई, जब सारा को कई बार क्रिकेट स्टेडियम में देखा गया। उन्हें लगातार मैच देखने पहुंचते देखकर लोगों ने कयास लगाने शुरू कर दिए कि वह शुभमन गिल को डेट कर रही हैं। हालांकि, शुभमन और सारा दोनों ने कभी इन खबरों पर खुलकर कुछ नहीं कहा। दोनों की तरफ से कोई पुष्टि नहीं हुई और समय के साथ ये चर्चाएं भी धीरे-धीरे खत्म हो गईं।



अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह कन्ट्रवर्सी के बीच कशिश कपूर ने शेयर की क्रिप्टिक पोस्ट

टीवी एक्टर अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह के रिश्ते में आई दरार इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। अविनाश पर ईशा को धोखा देने के आरोप लग रहे हैं। इस बीच कई टीवी कलाकारों और सोशल मीडिया से जुड़े लोगों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। अब इस विवाद में कशिश कपूर की एंट्री हो गई है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक ऐसी पोस्ट साझा की है, जिसे फैंस अविनाश और ईशा के विवाद से जोड़कर देख रहे हैं।

कशिश कपूर की पोस्ट ने बढ़ाई चर्चा

अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह के विवाद के बीच कशिश कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में वह हाथ में कुछ काड्र्स पकड़े नजर आ रही हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, "मैं हमेशा अपने पत्ते सही खेलती हूं।" कशिश ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया है, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे अविनाश मिश्रा से जोड़कर देखा जा रहा है। बता दें कि शबिग बॉस 18श के दौरान कशिश कपूर और अविनाश मिश्रा के बीच काफी विवाद हुआ था। उस समय कशिश ने अविनाश को नेशनल टेलीविजन पर श्लड़कीबाजश तक कह दिया था।

कावेरी प्रियम ने भी शेयर किया तंज भरा पोस्ट

कशिश कपूर के अलावा अविनाश मिश्रा की कथित एक्स-गर्लफ्रेंड कावेरी प्रियम की पोस्ट भी चर्चा में है। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए इंस्टाग्राम पर लिखा, "कुछ एक्टर्स पर्दे से ज्यादा असल जिंदगी में अच्छी एक्टिंग करते हैं। कुछ भी हो जाए, नहीं सुधरेंगे।" कावेरी की इस पोस्ट को भी फैंस अविनाश और ईशा के विवाद से जोड़ रहे हैं। हालांकि, कावेरी ने यह साफ नहीं किया कि उनका इशारा किसकी तरफ है।

ईशा सिंह और अविनाश मिश्रा के बीच क्या हुआ?

ईशा सिंह ने बीते रविवार को इंस्टाग्राम स्टोरी साझा कर अविनाश मिश्रा को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि वह सबूतों और नाम के साथ उनकी पोल खोल सकती हैं। इसी दिन रजत दलाल ने भी सोशल मीडिया पर एक रील साझा कर अविनाश की आलोचना की थी। वहीं, बीती रात अविनाश ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर वीडियो पोस्ट कर अपनी गलती मानी और ईशा से माफी मांगी।

बिग बॉस 18 में शुरू हुई थी दोनों की नजदीकियां

अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह की नजदीकियां शबिग बॉस 18श के दौरान बढ़ी थीं। दोनों पहले दोस्त बने और फिर उनके रिश्ते को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं। श्खतरों के खिलाड़ी 15श के सेट पर भी दोनों को साथ देखकर फैंस ने अंदाजा लगाया था कि उन्होंने अपने रिश्ते को स्वीकार कर लिया है। इसके बाद दोनों श्पति पत्नी और पंगा 2श में भी साथ नजर आए। हालांकि, कुछ समय बाद ईशा ने अविनाश को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया। इसके बाद से ही दोनों के रिश्ते में अनबन और ब्रेकअप की खबरें सामने आने लगीं।

रणबीर, विक्की और आलिया की लव एंड वॉर के ट्रेलर से पहले आएगा खास गाना, इस सिंगर की आवाज बांधेगी शमा





संजय लीला भंसाली अपनी आगामी फिल्म लव एंड वॉर का ट्रेलर जारी करने से पहले इसका जोशीला गाना लव मी लाइक अ डॉग रिलीज करेंगे। सुनीधि चौहान द्वारा गाए गए इस गाने के जरिए फिल्म के प्रचार की शुरुआत की जाएगी। रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट अभिनीत यह फिल्म दर्शकों के बीच काफी उत्साह पैदा कर रही है।

संजय लीला भंसाली की आने वाली फिल्म श्लव एंड वॉरश को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। इस फिल्म में पहली बार रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट एक साथ स्क्रीन पर नजर आएंगे। कुछ समय पहले फिल्म के पोस्टर जारी किए गए थे, जिसके बाद से ही फैंस इसके ट्रेलर का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, संजय लीला भंसाली ने ट्रेलर से पहले फिल्म का एक गाना रिलीज करने की तैयारी की है। बताया जा रहा है कि यह गाना काफी जोशीला होगा और इसे मशहूर गायिका सुनीधि चौहान ने अपनी आवाज दी है।

ट्रेलर से पहले रिलीज होगा श्लव मी लाइक अ डॉगश

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, संजय लीला भंसाली फिल्म श्लव एंड वॉरश का ट्रेलर जारी करने से पहले इसका गाना श्लव मी लाइक अ डॉगश रिलीज करेंगे। इस गाने को सुनीधि चौहान ने गाया है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म के संगीत का सबसे अहम गाना होगा। मेकर्स इसी गाने के साथ फिल्म के संगीत को दर्शकों के सामने लाने की शुरुआत करेंगे। गाने को सुनीधि चौहान की दमदार आवाज और एनर्जी से सजाया गया है। ऐसे में उम्मीद है कि यह गाना दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर सकता है।

पहले भी ऐसा कर चुके हैं संजय लीला भंसाली

यह पहली बार नहीं है जब संजय लीला भंसाली ने अपनी फिल्म के ट्रेलर से पहले गाना रिलीज करने का फैसला लिया है। यह उनके प्रचार का एक खास तरीका रहा है। वह अपनी बड़ी फिल्मों के दौरान पहले गाने रिलीज करते हैं, ताकि दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर माहौल बन सके। इसके बाद ट्रेलर और फिल्म के संवाद सामने लाए जाते हैं। 'लव एंड वॉर' के लिए भी मेकर्स इसी तरीके को अपना सकते हैं। यह फिल्म 2027 की बड़ी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट को एक साथ देखने के लिए दर्शक पहले से ही उत्साहित हैं।





दिनभर नहीं लगती है भूख तो रोजाना इन योगासन का करें अभ्यास, लगने लगेगी भूख

दिनभर बिना खाए रहना या भूख नहीं लगना यह एक सामान्य परेशानी है। यह परेशानी किसी भी उम्र में हो सकती है। हालांकि पूरा दिन बिना खाए रहना या फिर भूख न लगना, इसके अपने कुछ दुष्प्रभाव हो सकते हैं। कई बार स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं जैसे थायराइज, डायबिटीज, कैंसर या फिर अन्य किसी बीमारी के कारण भूख कम हो जाती है। वहीं चिंता और मानसिक तनाव भी भूख को प्रभावित करती है। इसके अलावा व्यस्त लाइफस्टाइल, दवाओं के सेवन, अनियमित और अपूर्ण आहार, मासिक धर्म के समय आदि कई कारणों से भूख न लगने की समस्या हो सकती है। जब आपको भूख नहीं लगती है और आप खाना नहीं खाते हैं, तो इससे शरीर में पौष्टिकता की कमी हो सकती है। जिसकी वजह से कमजोरी लगना, वजन कम होना और लंबे समय तक भूखे रहने से अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आपको घेर सकती हैं। ऐसे में भूख न लगने की समस्या यदि आपके साथ भी है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे योगासन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका अभ्यास करने से भूख बढ़ाने में सहायता मिलती है और साथ ही आपका स्वास्थ्य भी दुरुस्त रहता है।

धनुरासन

इस आसन का अभ्यास वेट कम करने के अलावा पाचन तंत्र को बेहतर बनाने और भूख न लगने की समस्या को दूर करने के लिए काफी अच्छा माना जाता है।

ऐसे करें अभ्यास

इस आसन का अभ्यास करने के लिए पेट के बल लेट जाएं और दोनों पैरों के बीच गैप बना लें। अब घुटनों को ऊपर की तरफ मोड़ते हुए एड़ियों को अपने हाथों से पकड़ें और छाती और पैरों को ऊपर की तरफ ऊठाएं। इससे आपको थाइज और बाजुओं पर खिंचाव महसूस होगा। इस पोजीसन में कुछ देर रहने के बाद सामान्य अवस्था में वापस लौट आएं।

वज्रासन

इस आसन का अभ्यास करना भी भूख बढ़ाने के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। साथ ही आप वज्रासन का अभ्यास कभी भी और कहीं भी कर सकते हैं।

ऐसे करें अभ्यास

इस आसन को करने के लिए घुटनों के बल बैठ जाएं और ध्यान रखें कि आपके पैरों के बीच में गैप न हो। दोनों पैरों के अंगूठे एक साथ मिले होने चाहिए। अब हिप्स को एड़ियों पर टिकाएं और कमर को सीधा रखते हुए हथेलियों को घुटनों पर रखें। इस दौरान आपके दोनों घुटने भी आपस में मिले होने चाहिए। अब श्वास लेने पर ध्यान केंद्रित करते हुए थोड़ी देर बाद सामान्य अवस्था में वापस आ जाएं।

भुजंगासन

बता दें कि भूख न लगने का एक मुख्य कारण पेट की गड़बड़ी भी हो सकती हैं। ऐसे में भुजंगासन का अभ्यास आपकी इस समस्या का समाधान कर सकता है और आपकी पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में सहायता करता है।

ऐसे करें भुजंगासन का अभ्यास

सबसे पहले पेट के बल लेट जाएं और दोनों हाथों को साइड में रखें और पैरों के बीच दूरी बनाकर रखें। अब दोनों हाथों पर दबाव देते हुए शरीर के अगले हिस्से को उठाएं और आसमान की ओर देखें। इस दौरान सांसों का क्रम सामान्य बनाए रखें। कुछ देर इस पोजीशन में रहें और फिर धीरे–धीरे सामान्य अवस्था में वापस आ जाएं।



फ्रिज में मिर्च रखने के वाबजूद भी सड़ जाती है तो इस तरह करें स्टोर, लंबे समय तक रहेगी फ्रेश

जिन लोगों को तीखा–चटपटा खाने का बहुत शौक होता है, वो लोग हरी मिर्च को रोजाना खूब खाते हैं। बाजार से हरी–ताजा मिर्च लेकर आते हैं फ्रिज में रखने से सड़ने लगती है। ज्यादा दिन तक रखें रहने से मिर्च भी गलने लगती है या फिर लाल होने लगती है। जिस वजह से लोग इसे ज्यादा दिन तक स्टोर करने से बचने लगते है। आइए आपको बताते हैं कैसे हरी मिर्च को ज्यादा दिन तक स्टोर करें।

खराब मिर्ची को अलग करें

अगर आप सभी मिर्ची को अच्छे से धो लें और फिर गली और खराब मिर्ची को अलग कर दें। यदि सड़ी–गली मिर्च रहती है तो बाकी मिर्ची के खराब होने डर नहीं रहता।

जिप लॉक में रखें

लंबे समय तक मिर्ची को फ्रेश रखने के लिए आप पहले इन्हें धोएं और फिर ड्राई कर लें। फिर इसकी डंठल तोड़ दें और फिर मिर्च को जिप लॉक बैग में रख लें उसके बाद फ्रिज में रख दें। यदि आपको ज्यादा समय के लिए रखना है तो आप पाउच को फ्रीजर के आइसबॉक्स में जमा सकते हैं।

तोड़ दें हरी मिर्च की डंडी

सबसे पहले आप मिर्ची को पानी में कुछ देर के लिए भिगोएं और इसके बाद निकाल लें। इसको लंबे समय तक स्टोर करने के लिए आप इसकी डंडी तोड़ दें। हरी मिर्च का पानी सूख जाए तो इसे एयर टाइट कंटेनर में स्टोर करें।

ठंड से बचना है और स्टाइल भी दिखाना है, भारत की 4 सबसे गर्म शॉल जो देगी परफेक्ट लुक

सर्दियों का मौसम आते ही शॉल हर वार्डरोब का अहम हिस्सा बन जाता है। यह सिर्फ ठंड से बचाने का काम नहीं करती, बल्कि आपके लुक को भी स्टाइलिश बनाती है। मार्केट में कई तरह की शॉल मिलती हैंकृपैटर्न, रंग और डिजाइन के हिसाब से लेकिन अगर आप हल्की और गर्म दोनों चाहिए, तो सही शॉल चुनना बेहद जरूरी है। भारत में कुछ ऐसी शॉल हैं जो मुलायम, हल्की होने के बावजूद बेहद गर्म होती हैं और सर्दियों में आपका स्टाइल और कम्फर्ट दोनों बनाए रखती हैं। आइए जानते हैं चार ऐसी शॉल के बारे में जिन्हें इस सर्दी जरूर ट्राई करें।





याक वूल शॉल

याक वूल शॉल, पश्मीना की तरह ही बहुत गर्म होती है। इसे माइनस तापमान वाले क्षेत्रों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। याक वूल पूरी तरह से इको–फ्रेंडली होती है और टिकाऊ भी। ये शॉल मोटी होती हैं और पहनने पर ऐसा फील होता है जैसे आपने वार्म जैकेट कैरी की हो। इसमें लोकल पैटर्न, ट्राइबल डिजाइन और बोल्ड टेक्सचर भी मिल जाते हैं।



कुल्लू शॉल

हिमाचल की प्रसिद्ध कुल्लू शॉल अपने शानदार पैटर्न और सॉफ्ट टेक्सचर के लिए जानी जाती है। यह हल्की होने के बावजूद आपको पर्याप्त गर्माहट देती है। इसकी खासियत यह है कि यह काफी बजट फ्रेंडली होती है, इसलिए हर कोई इसे आसानी से अपने वार्डरोब में शामिल कर सकता है। यह डेली वियर के लिए भी परफेक्ट है।

अंगोरा शॉल

अंगोरा शॉल भी बेहद सॉफ्ट और गर्म होती है। इसे खरगोश के नरम ऊन से बनाया जाता है और हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में इसका उत्पादन होता है। पहनने में यह हल्की रहती है लेकिन पर्याप्त गर्माहट देती है। यह शॉल रिच और एलिगेंट लुक देती है और आपको फैशन और आराम दोनों अनुभव कराती है।

मेरिनो वूल शॉल

मेरिनो वूल शॉल हल्की, सांस लेने वाली और एंटी–स्वेट होती है। यह बॉडी टेम्परेचर को बैलेंस रखती है और घर, ऑफिस या किसी फंक्शन में भी स्टाइल के साथ पहन सकती हैं। इसे मार्केट में कई कलर और डिजाइन में पाया जा सकता है। हल्की होने के बावजूद यह अच्छी गर्माहट देती है और सर्दियों के लिए परफेक्ट है। अगर आप इस सर्दी में स्टाइल के साथ गर्माहट भी चाहते हैं, तो इन चार शॉल,याक वूल, कुल्लू, अंगोरा और मेरिनो वूल को अपने वार्डरोब में जरूर शामिल करें। यह न सिर्फ ठंड से बचाएंगी बल्कि आपके लुक को भी शानदार बनाएंगी।

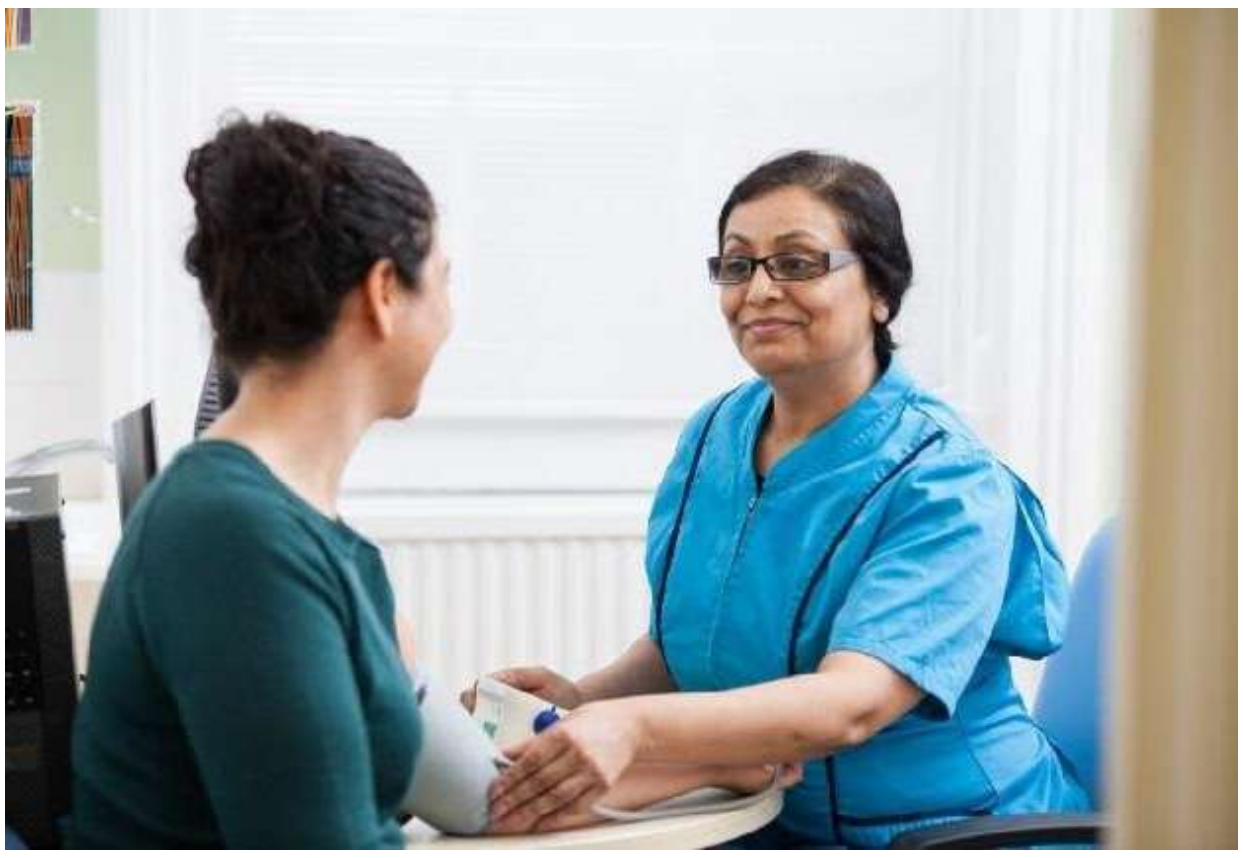

अबॉर्शन कराने का जानें कब है सही समय, सेहत पर नहीं पड़ता असर !

भारत में महिलाओं के लिए गर्भपात (अबॉर्शन) कराने का नया कानून मार्च 2021 में लागू हुआ, जिसके बाद गर्भावस्था के 24 हफ्ते तक अबॉर्शन कराना कानूनी रूप से संभव हो गया है, लेकिन यह सिर्फ विशेष मामलों में ही किया जा सकता है। इस नए कानून के मुताबिक, गर्भवती महिला की सेहत और बच्चे की स्थिति के आधार पर अबॉर्शन का फैसला लिया जाएगा।

अबॉर्शन का जोखिम और सेफ टाइम

गर्भपात को आमतौर पर 12 हफ्ते के भीतर करना सबसे सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि इस समय तक भ्रूण पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ होता और मां की सेहत पर कम असर पड़ता है। 12 हफ्ते के बाद, बच्चे का विकास शुरू हो जाता है और अबॉर्शन के दौरान जोखिम बढ़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, 24 हफ्ते तक की गर्भावस्था में अबॉर्शन करने का निर्णय सिर्फ विशेष मामलों में लिया जा सकता है, जैसे कि भ्रूण में कोई गंभीर समस्या हो या मां की जान को खतरा हो।

अबॉर्शन का नया कानून

मार्च 2021 में हुए संशोधन के बाद, 12 हफ्ते तक डॉक्टर की सलाह पर अबॉर्शन कराया जा सकता है। 12 से 20 हफ्ते तक इसे डॉक्टर की सलाह और कुछ परिस्थितियों में अनुमति मिलती है, जबकि 20 से 24 हफ्ते तक विशेष मामलों में दो डॉक्टर की सलाह पर अबॉर्शन किया जा सकता है। अगर गर्भावस्था 24 हफ्ते से अधिक समय की हो और भ्रूण में कोई गंभीर समस्या हो, तो मेडिकल बोर्ड की सलाह लेनी पड़ेगी। अगर मां की जान को खतरा हो, तो डॉक्टर की सलाह से गर्भपात किया जा सकता है।

अबॉर्शन और महिलाओं की सेहत

अबॉर्शन से संबंधित जोखिम को लेकर आंकड़े भी चिंता का विषय हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में हर साल लाखों महिलाएं बिना किसी चिकित्सकीय सलाह के गर्भपात करती हैं, जिसके चलते कई महिलाओं की जान भी चली जाती है। इस लिहाज से अबॉर्शन के सुरक्षित तरीकों का पालन करना बहुत जरूरी है, ताकि महिलाओं की सेहत पर कोई बुरा असर न पड़े। महिलाओं के लिए खुद का ध्यान रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर जब वे मानसिक या शारीरिक रूप से कठिन दौर से गुजर रही होती हैं, जैसे गर्भपात के बाद। यहाँ कुछ तरीके हैं, जिनसे महिलाएं अपनी सेहत और भलाई का ध्यान रख सकती हैं

शारीरिक स्वच्छता का ध्यान रखें

महिलाओं को गर्भपात के बाद अपनी शारीरिक स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। शरीर में होने वाले बदलावों के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है, इसलिए दिन में कम से कम दो बार स्नान करना और आराम से सूती कपड़े पहनना जरूरी है। आंतरिक स्वच्छता के लिए गर्म पानी और हल्के साबुन का उपयोग करें, जिससे बैक्टीरिया से बचाव हो सके। पेड्स और टैम्पोन का सही तरीके से उपयोग करें और समय–समय पर बदलते रहें।

संतुलित आहार लें

गर्भपात के बाद शरीर की ताकत और ऊर्जा को पुनः प्राप्त करने के लिए सही आहार लेना महत्वपूर्ण है। ताजे फल, हरी सब्जियां, पूरे अनाज, प्रोटीन, और आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे दाल, पालक, और नट्स का सेवन करें। विटामिन ब और आयरन का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि ये शरीर में रक्त निर्माण और इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं। साथ ही, पर्याप्त पानी पिएं ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।

मानसिक सेहत का ध्यान रखें

गर्भपात के बाद मानसिक तनाव और भावनात्मक उथल–पुथल महसूस करना सामान्य है। खुद को समय देना, आराम करना, और ध्यान (मेडिटेशन) करना मानसिक शांति प्रदान करता है। योग और गहरी सांस लेने की तकनीकें न केवल मानसिक दबाव को कम करती हैं, बल्कि शरीर को भी आराम देती हैं। अगर स्थिति बिगड़े तो किसी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लें और आवश्यकतानुसार थेरेपी या काउंसलिंग करवाएं।

अच्छी नींद लें

शरीर और दिमाग की रिकवरी के लिए सही नींद बेहद महत्वपूर्ण है। नींद की कमी से शरीर पर दबाव बढ़ सकता है और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। महिलाओं को खासकर रात को 7–8 घंटे की अच्छी नींद लेनी चाहिए। यदि नींद में समस्या आ रही हो, तो नींद को बढ़ाने के लिए स्लीपिंग पैटर्न को नियमित करें और किसी भी प्रकार के तनाव से बचें।

हल्का व्यायाम करें

हल्का व्यायाम न केवल शारीरिक सेहत को बनाए रखने में मदद करता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है। महिलाएं योग, धीमी वॉकिंग, स्ट्रेचिंग, और प्राणायाम जैसी गतिविधियों से खुद को ताजगी महसूस कर सकती हैं। ये शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाते हैं, हार्मोनल बैलेंस को बनाए रखते हैं और भावनात्मक स्थिति को भी स्थिर करते हैं। ज्यादा मेहनत वाली एक्सरसाइज से बचें, खासकर अगर आपका शरीर पूरी तरह से ठीक नहीं हुआ हो।

स्वस्थ रिश्ते बनाए रखें

मनोबल और भावनात्मक सेहत के लिए सामाजिक कनेक्शन बहुत महत्वपूर्ण है। अपने परिवार, दोस्तों या किसी करीबी से नियमित बातचीत करें और समय बिताएं। यह न केवल आपकी मानसिक स्थिति को बेहतर करता है, बल्कि भावनात्मक सहारा भी देता है। अगर आप अकेलेपन का महसूस करती हैं तो नजदीकी रिश्तों से जुड़ने की कोशिश करें और मानसिक रूप से मजबूत बने रहें।

डॉक्टर के साथ नियमित चेक–अप

गर्भपात के बाद नियमित डॉक्टर के चेक–अप से यह सुनिश्चित होता है कि शारीरिक सेहत सही दिशा में जा रही है। महिलाओं को हर महीने अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए और किसी भी नए लक्षण जैसे दर्द, खून का बहना, या अन्य असामान्य परिवर्तन पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। नियमित चेक–अप से कोई भी शारीरिक समस्या जल्दी पकड़ी जा सकती है और उसका इलाज समय रहते हो सकता है।

नशे से दूर रहें

गर्भपात के बाद महिलाओं को नशीली चीजों से पूरी तरह बचना चाहिए, जैसे शराब, सिगरेट, और ड्रग्स। ये न केवल शारीरिक सेहत के लिए हानिकारक हैं, बल्कि मानसिक स्थिति को भी प्रभावित कर सकते हैं। इनसे शरीर में ऊर्जा की कमी हो सकती है और भावनात्मक असंतुलन भी हो सकता है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए इनसे दूरी बनाए रखें। इन सरल उपायों को अपनाकर महिलाएं खुद का अच्छे से ख्याल रख सकती हैं और शारीरिक, मानसिक तथा भावनात्मक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ रह सकती हैं। अबॉर्शन के दौरान सही समय पर चिकित्सीय मार्गदर्शन और निर्णय लेना बेहद महत्वपूर्ण है, जिससे न सिर्फ मां की सेहत सुरक्षित रहे बल्कि कानून का पालन भी हो सके।

संक्षिप्त



मोनोमार्क इंजीनियरिंग और मातंगी रबर लाएंगे IPO, दिसंबर के पहले हफ्ते में खुलेंगे इश्यू

दो कंपनियां मोनोमार्क इंजीनियरिंग (इंडिया) लिमिटेड और मातंगी रबर लिमिटेड कारोबार विस्तार और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पूंजी जुटाने के मकसद से दिसंबर के पहले सप्ताह में अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए तैयार हैं। दोनों कंपनियों के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के अनुसार मोनोमार्क इंजीनियरिंग का आईपीओ दो दिसंबर को खुलेगा और चार दिसंबर को बंद होगा, जबकि मातंगी रबर का सार्वजनिक निर्गम एक दिसंबर से तीन दिसंबर तक अभिदान के लिए उपलब्ध रहेगा। मातंगी रबर के लिए एंकर निवेशकों की बोली 30 नवंबर को होगी, जबकि मोनोमार्क इंजीनियरिंग अपने सार्वजनिक निर्गम खुलने से एक दिन पहले एक दिसंबर को एंकर निवेशकों के लिए बोली आयोजित करेगी। इसके अलावा, खाद्य सेवा क्षेत्र में काम करने वाली फूडलिंक एफएंडबी होल्डिंग्स (इंडिया) लिमिटेड 26 नवंबर को अपना आईपीओ लाएगी, जबकि निजी इक्विटी फर्म एवरस्टोन कैपिटल समर्थित विविध चिकित्सा प्रौद्योगिकी मंच इंटेग्रिस मेडटेक 27 नवंबर को अपना सार्वजनिक निर्गम पेश करेगी।

निजी क्षेत्र के निवेश में बड़ा उछाल, परियोजनाएं 58.5 प्रतिशत बढ़कर 26.6 लाख करोड़ हुई

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने मंगलवार को कहा कि वित्त वर्ष 2026–27 की पहली छमाही में निजी क्षेत्र की परियोजनाओं की घोषणाएं सालाना आधार पर 58.5 प्रतिशत बढ़कर 26.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गईं। उद्योग निकाय ने कहा कि यह लगातार हो रहे सरकारी सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और नियामकीय सुधारों के बीच निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। सीआईआई के निजी निवेश सूचक के दूसरे संस्करण के अनुसार अप्रैल–सितंबर, 2026 के दौरान कुल परियोजना घोषणाओं में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 86.2 प्रतिशत रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 74.2 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2026–27 की पहली छमाही के दौरान निवेश की ये घोषणाएं वित्त वर्ष 2016–17 से 2024–25 की पहली छमाहियों में दर्ज औसत का 4.4 गुना रहीं। सीआईआई के अध्यक्ष आर मुकुंदन ने कहा कि सरकार के लगातार नीतिगत सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और नियामकीय ढांचे में सुधार ने निजी निवेश के लिए एक मजबूत अनुकूल माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा, नीतिगत सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और नियामकीय ढांचे में सुधार के जरिये निजी निवेश के लिए एक मजबूत अनुकूल माहौल बनाने का काफी श्रेय सरकार को जाता है। उन्होंने आगे कहा, भारतीय उद्योग इन अवसरों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहा है और हमें निवेश घोषणाओं तथा वास्तविक पूंजी निर्माण, दोनों में इसके उत्साहजनक प्रमाण देखने को मिल रहे हैं। उद्योग निकाय ने कहा कि निजी निवेश में सुधार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि लगभग 1,800 सूचीबद्ध निजी कंपनियों का सकल पूंजी निर्माण वित्त वर्ष 2025–26 में 12.4 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह मौजूदा बाजार मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद के 3.6 प्रतिशत के बराबर है, जबकि वित्त वर्ष 2016–17 से 2020–21 के दौरान इसका औसत 2.2 प्रतिशत था। इसके अलावा 54 प्रतिशत कंपनियों ने अपनी स्थिर निवेश दरों में वृद्धि की, जबकि चार में से लगभग तीन कंपनियों ने शुद्ध उत्पादक क्षमता जोड़ी।

बिसलेरी ने पेयजल को बताया सुरक्षित, FSSAI की जांच में सहयोग का दिया भरोसा

बोतलबंद पानी के कारोबार से जुड़ी कंपनी बिसलेरी इंटरनेशनल ने सोमवार को कहा कि उसका उत्पाद उपभोग के लिए सुरक्षित है और वह खाद्य सुरक्षा नियामक के साथ सहयोग करेगी। यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बोतलबंद पेयजल क्षेत्र में अपनी देशव्यापी जांच का दायरा बढ़ाते हुए प्रमुख ब्रांडों के नमूने लेने और विनिर्माण संयंत्रों का निरीक्षण शुरू किया है। बिसलेरी का यह बयान कंपनी के गोवा संयंत्र में निर्मित पेयजल के एक बैच को असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद आया है। एफएसएसएआई ने इस मामले में कंपनी के



खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। खाद्य नियामक के मुताबिक, जांच के लिए एकत्रित नमूने में ब्रोमेट की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई थी। कंपनी की अपील के बाद संदर्भ प्रयोगशाला में दोबारा जांच के दौरान पॉलीन्यूक्लियर एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच) की मौजूदगी भी मिली। ब्रोमेट और पीएएच को स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह माना जाता है और इनसे कैंसर का भी खतरा होता है। बिसलेरी ने जांच के नतीजों में अंतर का हवाला देते हुए कहा कि उसे नियामकीय कार्रवाई की कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है। कंपनी के मुताबिक, यह मामला सितंबर, 2025 में गोवा संयंत्र में निर्मित एक बैच से जुड़ा है। एफएसएसएआई ने 30 सितंबर, 2025 को संयंत्र से छह नमूने लिए थे। शुरुआती जांच में पांच नमूने निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए गए थे, जबकि एक नमूने में ब्रोमेट की मात्रा 12 माइक्रोग्राम प्रति लीटर मिली थी। इसकी निर्धारित सीमा 10 माइक्रोग्राम प्रति लीटर है। कंपनी ने 22 नवंबर, 2025 को इस नतीजे के खिलाफ अपील की थी। बिसलेरी के अनुसार, संदर्भ प्रयोगशाला ने दोबारा जांच में ब्रोमेट की मात्रा निर्धारित सीमा के भीतर पाई, लेकिन पीएएच की मौजूदगी बताई। इसके बाद कंपनी ने उसी नमूने की जांच एफएसएसएआई से मान्यता–प्राप्त एक अन्य प्रयोगशाला से कराई, जिसमें ब्रोमेट की मात्रा निर्धारित सीमा के भीतर मिली।

चोटों के कारण गंवाए 10 से 15 टेस्ट मैच, केएल राहुल ने समझाई तीनों फॉर्मेट की चुनौती



भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने अपने करियर के शुरुआती दौर की इसी चुनौती के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि तीनों प्रारूपों में एक साथ खेलने के दौरान उनके लिए अपनी बल्लेबाजी का तरीका बदलना आसान नहीं था। राहुल ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ बेसिन रिजर्व मैदान पर 136 रन की शानदार पारी खेलकर इतिहास रचा। वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया यानी चारों सेना देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय सलामी बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले एशिया में केवल पाकिस्तान के सईद अनवर यह उपलब्धि हासिल कर सके थे। न्यूजीलैंड में किसी भारतीय बल्लेबाज का यह 12 साल में पहला टेस्ट शतक भी था। बीसीसीआई की वेबसाइट पर साझा किए गए एक वीडियो में राहुल ने बताया कि शुरुआत में उन्हें सीमित ओवरों के क्रिकेट और टेस्ट के बीच तालमेल बैठाने में परेशानी होती थी। उन्होंने कहा कि टी–20 और एकदिवसीय क्रिकेट में बल्लेबाज की कोशिश होती है कि गेंद पर बल्ला लगे और रन बनें। लेकिन टेस्ट में कई बार गेंद को छोड़ना और उसे देर से खेलना जरूरी होता है। एक सप्ताह के भीतर इन दोनों तरीकों के बीच बदलाव करना उनके लिए मुश्किल था। 34 वर्षीय राहुल के मुताबिक, टेस्ट क्रिकेट में सिर्फ बल्लेबाजी की तकनीक ही नहीं, बल्कि तैयारी और सोच भी अलग होनी चाहिए। उन्होंने इसकी तुलना कॉफी बनाने के अपने शौक से की। राहुल ने कहा कि कॉफी बनाते समय छोटी–सी गलती भी उसका स्वाद बिगाड़ सकती है। ठीक इसी तरह टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाज की एक गलत गेंद या खराब शॉट कई घंटों की मेहनत पर पानी फेर सकता है। भले ही बल्लेबाज 3 से 4 घंटे तक क्रीज पर समय बिताए, लेकिन एक छोटी गलती उसकी पूरी पारी खत्म कर सकती है। राहुल ने बताया कि विदेश में चुनौतीपूर्ण दौरों के लिए वह 5 से 6 महीने पहले से ही मानसिक तैयारी शुरू कर देते हैं। इस दौरान वह वहां के मैदान, पिच और परिस्थितियों को समझने के साथ यह योजना बनाते हैं कि किस तरह बल्लेबाजी करनी है। इतिहास रचने वाली पारी के बाद भी राहुल पूरी रात सो नहीं पाए। उन्होंने बताया कि इसकी वजह सिर्फ उपलब्धि की खुशी नहीं थी। उनके मन में अपने करियर के दौरान चोटों के कारण गंवाए गए मौकों का भी ख्याल आ रहा था। राहुल का मानना है कि चोटों की वजह से वह कम से कम 10 से 15 टेस्ट मैच नहीं खेल सके। बता दें कि राहुल अब तक 71 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। वह चाहते हैं कि करियर के इस अहम दौर में फिट रहें, लगातार रन बनाएं और अपने बचे हुए समय को अच्छे प्रदर्शन के साथ यादगार बनाएं। केएल राहुल ने टेस्ट, एकदिवसीय और टी–20 क्रिकेट के बीच तालमेल बैठाने की मुश्किलों पर बात की है। उन्होंने बताया कि टेस्ट क्रिकेट में धैर्य, तैयारी और अलग सोच की जरूरत होती है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 136 रन बनाकर राहुल चारों सेना देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय सलामी बल्लेबाज बने। चोटों के कारण वह 10 से 15 टेस्ट मैच गंवाने की बात भी मानते हैं।

प्रियांश आर्य के रिकॉर्ड 181 रन से दिल्ली ने तमिलनाडु को 116 रन से रौंदा

दिल्ली ने कप्तान प्रियांश आर्य की 68 गेंदों में खेली गई 181 रन की तूफानी पारी की मदद से मंगलवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में तमिलनाडु को 116 रन से करारी शिकस्त दी। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आर्य की शानदार पारी की बदौलत पांच विकेट पर 275 रन बनाए। आर्य का स्कोर पुरुष टी20 क्रिकेट में किसी भारतीय खिलाड़ी का सर्वोच्च व्यक्तिगत और कुल मिलाकर दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। आर्य ने 250 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उनकी पारी में 19 छक्के और सात चौके शामिल हैं। उन्होंने पुरुषों के टी20 मैच की एक पारी में सबसे अधिक छक्के लगाने के रिकॉर्ड को भी बराबर किया। वह अब न्यूजीलैंड के फिन एलन के साथ इस सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। इसके बाद दिल्ली के स्पिनरों ने अपना कमाल दिखाया और तमिलनाडु को 18.3 ओवर में 159 रन पर आउट कर दिया। पिछले मैच में अर्धशतक लगाने वाले 25 वर्षीय आर्य 18 गेंदों में 50 रन तक पहुंचे जिससे दिल्ली पावरप्ले में 94 रन बनाने में सफल रहा। इस सलामी बल्लेबाज ने आर सिलंबरासन के पारी के चौथे और साई किशोर के पांचवें ओवर में 22–22 रन बनाकर तमिलनाडु के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया। आर्य ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा और केवल 36 गेंदों में टी20 क्रिकेट में अपना तीसरा शतक पूरा किया। इसके बाद उन्होंने 60 गेंदों में 150 रन का आंकड़ा पार किया।



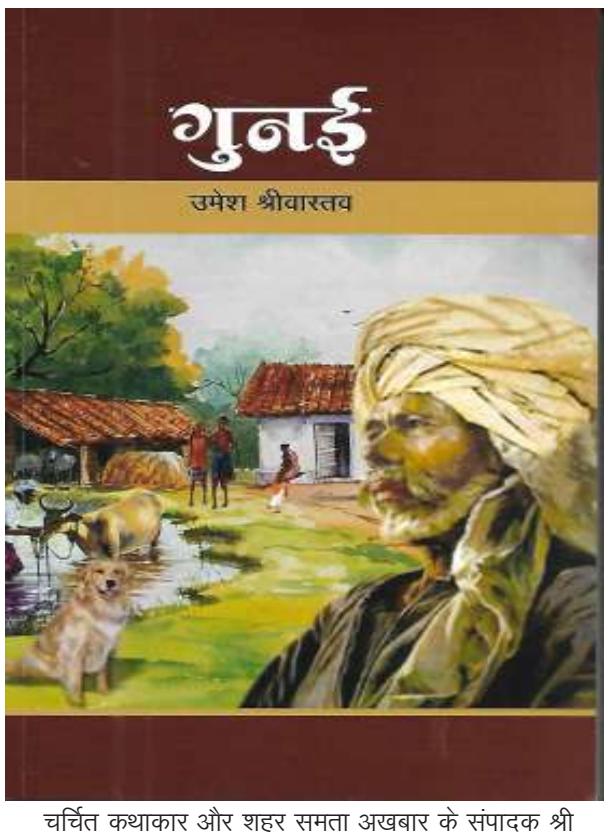

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

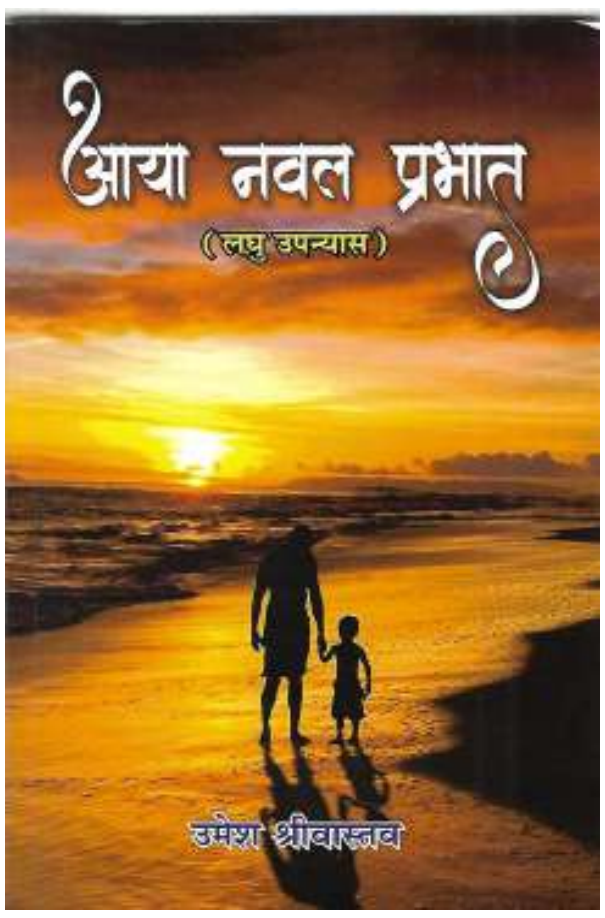

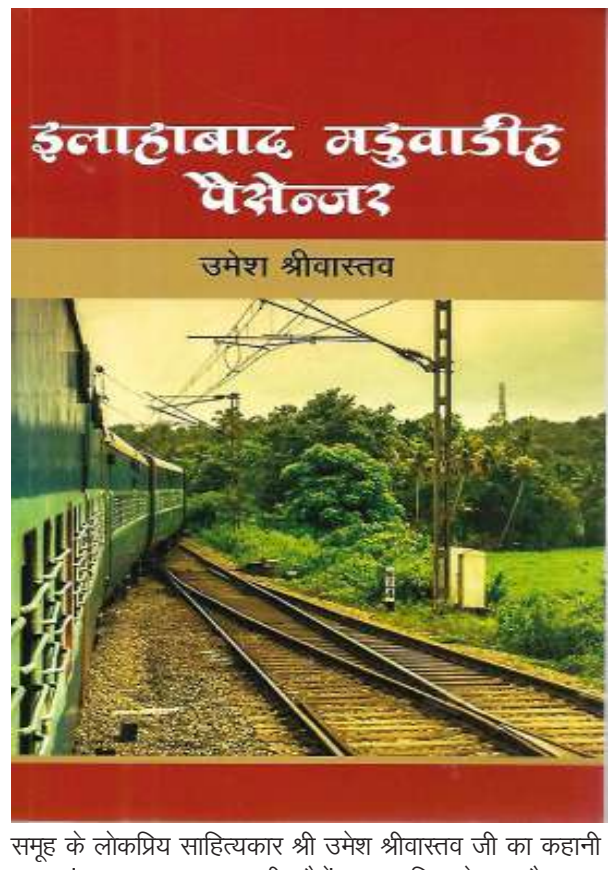

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

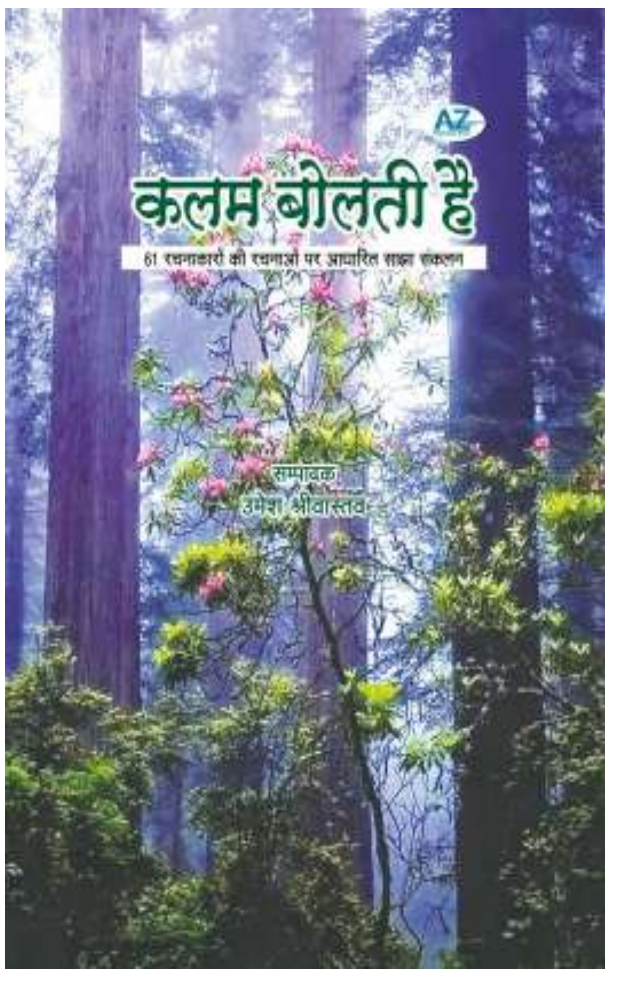

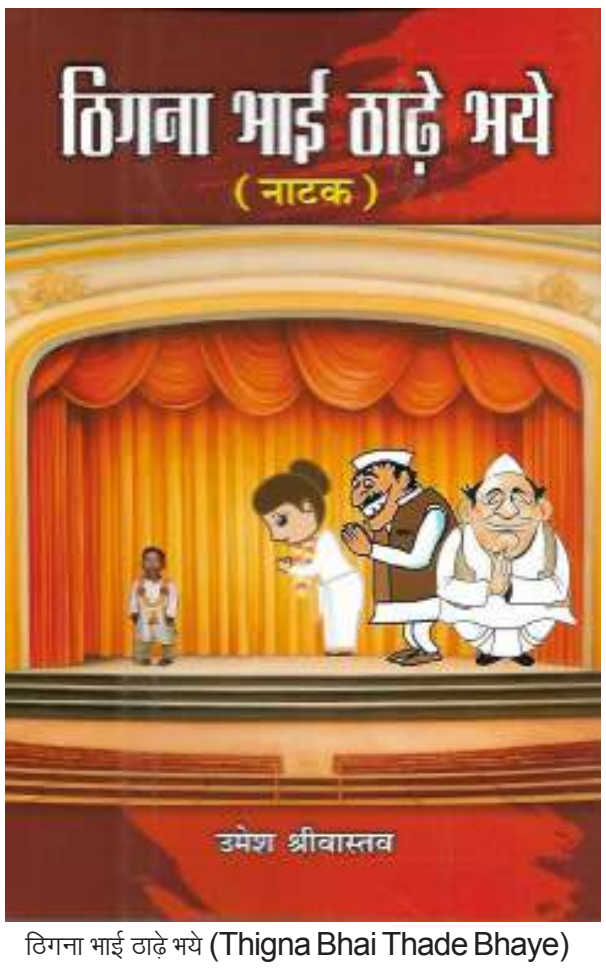

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

शेख हसीना की वतन वापसी पर क्या बड़ा ऐलान, बांग्लादेश लाने के लिए भेजेगा विमान ?



बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना 16 दिसंबर को भारत में अपने निर्वासन से स्वदेश लौटने की योजना बना रही हैं। इस दिन को शविजय दिवसश के रूप में मनाया जाता है, जो पाकिस्तान के साथ युद्ध के बाद बांग्लादेश की स्वतंत्रता का प्रतीक है। 5 अगस्त 2024 को छात्रों के नेतृत्व में हुए व्यापक जन–आंदोलन के कारण शेख हसीना को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिससे उनका 15 साल लंबा शासन समाप्त हो गया और वे भारत आ गईं। विद्रोह को दबाने के दौरान हुए अत्याचारों के लिए, जिसमें सैकड़ों प्रदर्शनकारी मारे गए थे, हसीना को उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई है। उन्होंने इस फैसले को खारिज कर दिया है और कहा है कि अगर वह बांग्लादेश लौटती हैं, तो वह इस मामले में कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं।

हसीना ने तारिक रहमान से उड़ान की व्यवस्था करने को कहा

मंगलवार को जारी एक बयान में अपनी वापसी की योजना की घोषणा करते हुए, हसीना ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान से आग्रह किया कि वे बांग्लादेश की राष्ट्रीय एयरलाइन, शबिमान बांग्लादेश एयरलाइंसश से उनकी यात्रा की व्यवस्था करें और यात्रा के लिए जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी करने में मदद करें। प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली ने अपने बयान में कहा, ष्चूंकि 5 अगस्त, 2024 को शेख हसीना को बांग्लादेश के एक विमान से भारत लाया गया था, इसलिए अब वह सरकार से मांग कर रही हैं कि उनके लिए दिल्ली से वापस ढाका जाने के हवाई सफर का इंतजाम किया जाए। उन्होंने आगे कहा संविधान के खिलाफ जाकर उन्हें ऐसी परिस्थितियों में निर्वासित करने के बाद, अब यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह 16 दिसंबर को शविजय दिवसश (विक्ट्री डे) पर उनकी बांग्लादेश वापसी को संभव बनाए। बांग्लादेश में 16 दिसंबर को शविजय दिवसश के रूप में मनाया जाता है। यह दिन 1971 में पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण और एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में बांग्लादेश के उदय का प्रतीक है।

शेख हसीना ने नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र मांगा

यह घोषणा उस घटना के कुछ हफ्तों बाद आई है, जब हसीना ने अपनी वापसी के लिए नया बांग्लादेशी पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र (छप्क) मांगा था। अगस्त 2024 में उनके भारत भाग जाने के बाद, उनके पुराने दस्तावेजों को रद्द कर दिया गया था।नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग को ईमेल किए गए एक पत्र में, हसीना ने अपने वकील के जरिए कार्यवाहक उच्चायुक्त से अनुरोध किया कि वे नए यात्रा और पहचान दस्तावेज जारी करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। 79 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री अगस्त 2024 में बांग्लादेश से भागने के बाद से भारत में रह रही हैं। वह बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हुए उस विद्रोह के बाद वहां से निकली थीं, जिसके कारण उनकी सरकार गिर गई थी। बांग्लादेश के संस्थापक नेता शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हसीना ने देश पर 15 वर्षों तक शासन किया, जिसके बाद अगस्त 2024 में उन्हें सत्ता से हटा दिया गया। उनकी अवामी लीग सरकार पर मानवाधिकारों के व्यापक उल्लंघन और राजनीतिक विरोध को दबाने के आरोप लगे थे।

संक्षिप्त

शिकागो मेयर ब्रैंडन जॉनसन ने क्पूंसप को मान्यता देने का औपचारिक ऐलान किया

वाशिंगटन। शिकागो के मेयर ब्रैंडन जॉनसन ने दिवाली को मान्यता देते हुए एक घोषणा जारी की है और शहर के निवासियों से उन विविध सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं का उत्सव मनाने का आग्रह किया है जो आस पास के क्षेत्र को समृद्ध बनाती हैं और शहर में एकता को बढ़ावा देती हैं। जॉनसन ने सोमवार को यह घोषणा जारी करते हुए कहा कि यह त्योहार हिंदू और जैन समुदायों के लिए गहरा आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखता है जो इस त्योहार को अपने विशिष्ट रीति–रिवाजों और प्रथाओं के अनुसार मनाते हैं। शिकागो शहर सहित कुक काउंटी के आयुक्त मंडल ने भी इसी



तरह की घोषणा जारी की। यह घोषणा ऑरोरा स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर में एक किशोर द्वारा सामूहिक गोलीबारी के प्रयास के कुछ सप्ताह बाद आई है। पिछले सप्ताह, शिकागो स्थित एफबीआई के क्षेत्र कार्यालय के अधिकारियों ने हिंदू समुदाय के सदस्यों से मंदिर सुरक्षा, घृणा अपराध की शिकायत दर्ज कराने और पूजा स्थलों एवं त्योहारों को लेकर जागरूकता बढ़ाने के मुद्दों पर चर्चा की। 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' संगठन की कार्यकारी निदेशक सुहाग शुक्ला ने एक बयान में कहा, ''हम ऑरोरा और नेपरविले पुलिस विभागों एवं एफबीआई के आभारी हैं कि उन्होंने हमसे और 30 स्थानीय हिंदू संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की।'' एफबीआई अधिकारियों ने 20 नवंबर को हिंदू समुदाय के सदस्यों से संपर्क किया था। इससे एक दिन पहले अलेक्जेंड्रोस पापोराकिस नामक एक किशोर पर श्री वेंकटेश्वर मंदिर पर हमले की साजिश रचने के आरोप में अभियोग लगाया गया था। शिकागो के मेयर के घोषणापत्र में उल्लेख किया गया है कि सिख समुदाय भी इसी त्योहार के दौरान स्वतंत्रता और मुक्ति के आदर्शों के सम्मान में बंदी छोड़ दिवस मनाते हैं। जॉनसन ने कहा, ''शिकागो शहर आसपास के इलाकों में मनाई जाने वाली कई सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं का स्वागत करता है और मानता है कि हमारी विविधताओं का सम्मान करना आपसी समझ को बढ़ावा देता है, सामुदायिक संबंधों को मजबूत करता है और एक समावेशी शहर के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है, जहां सभी निवासियों को महत्व दिया जाता है।''

नेपाल में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया

नेपाल के कोशी प्रांत में चीन की सीमा के पास 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। पीनेशनल अर्थक्वेक मॉनिटरिंग एंड रिसर्च सेंटर ने बताया कि यह भूकंप सुबह 7रू17 बजे आया। इसका केंद्र काठमांडू से लगभग 275 किलोमीटर पूर्व में, ताप्लेजुंग जिले के ओलांगचुंग गोला में था। वहीं, यूरोपियन–मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर (म्डैब) ने भूकंप की तीव्रता 5.3 बताई है और कहा है कि यह 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था। पूर्वी नेपाल के कई जिलों और उत्तरी बंगाल के कुछ हिस्सों – जिनमें दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और कूच बिहार शामिल हैं। भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। भूकंप से किसी तरह के नुकसान की कोई तत्काल खबर नहीं मिली है। इसी तरह की एक और घटनारू मध्य जापान में 5.7 तीव्रता का जोरदार भूकंप, 22 लोग घायल। स्थानीय मीडिया के अनुसार, रविवार तड़के मध्य जापान में एक शक्तिशाली भूकंप आया। इससे दुकानों की खिड़कियां टूट गईं, लोग इमारतों से बाहर भागने लगे और कम से कम 22 लोग घायल हो गए। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (श्रड।) ने भूकंप की तीव्रता 5.7 मापी, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (न्जै) ने इसे 5.5 मापा। इसके बाद कई छोटे झटके (आफ्टरशॉक्स) भी महसूस किए गए। भूकंप के झटके एक बड़े इलाके में महसूस किए गए, जिसमें आइची प्रान्त और हमामात्सु शहर के साथ–साथ यामानाशी (जहां माउंट फूजी स्थित है) और गिफू प्रान्त शामिल हैं। इन झटकों का असर क्योटो और नारा जैसी ऐतिहासिक राजधानियों पर भी पड़ा। जापानी टीवी चौनलों पर दिखाए गए फुटेज में दुकानों की टूटी हुई खिड़कियां और सड़कों पर बिखरे कांच के टुकड़े दिखाई दिए। एक किताबों की दुकान में भारी अफरा–तफरी मच गई और अलमारियों से किताबें नीचे गिर गईं। घायलों में वे लोग भी शामिल हैं जो इमारतों से बाहर निकलने की कोशिश के दौरान सीढ़ियों से गिर गए।

ग्रीस के एक्रोपोलिस में 1874 का ऐतिहासिक संग्रहालय जीर्णोद्धार के बाद फिर खुला

यूनान की एक्रोपोलिस पहाड़ी पर 1874 से स्थित देश का आधुनिक काल का सबसे पुराना संग्रहालय व्यापक जीर्णोद्धार और आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस होने के बाद सोमवार को फिर से आम लोगों के लिए खोल दिया गया। पत्थरों से बनी इस छोटी इमारत पर अक्सर पर्यटकों का ध्यान नहीं जाता। यह संग्रहालय 2007 से आम लोगों के लिए बंद था। इसके तीन साल बाद यूनान गंभीर आर्थिक संकट की चपेट में आ गया था।

11 दिन में ही वापस आए एनवीडिया के बॉस, वजह चौंका देगी



11 दिन पहले दुनिया की सबसे ताकतवर टेक कंपनी के बॉस को कुर्सी छोड़नी पड़ी थी। वजह थी एक कथित चीनी जासूस के साथ अफेयर और नेशनल सिक्योरिटी का बवाल। लेकिन अब उसी बोर्ड ने यूटर्न लेकर उन्हें दोबारा ताज पहना दिया है। 23 नवंबर को एनवीडिया के बोर्ड ने चौंकाने वाला ऐलान किया। बोर्ड ने सर्वस्मति से जेनसेन हुआंग को तुरंत प्रभाव से दोबारा प्रेसिडेंट, सीईओ और बोर्ड डायरेक्टर बना दिया है। इस एक खबर ने बाजार में धूम मचा दी। प्री मार्केट ट्रेडिंग में एनवीडिया के शेयर 31: से ज्यादा उछल गए और हैरानी की बात यह है कि कुछ दिन पहले ही बोर्ड ने उनकी वापसी से साफ इंकार कर दिया था। नए सीईओ की तलाश भी शुरू हो चुकी थी। फिर 12 नवंबर को इस्तीफा देने वाले हुआंग दोबारा इस 4 ट्रिलियन डॉलर कंपनी के बॉस कैसे बन गए? पूरा खेल समझने के लिए थोड़ा पीछे चलते हैं। 29 अक्टूबर को न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट ने सिलिकॉन वैली में भूचाल ला दिया। रिपोर्ट में जेनसेन हुआंग के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स का खुलासा हुआ। सबसे बड़ा नाम सामने आया। एलिस हुआंग का। एलिस हुआंग एक चीनी नागरिक है। हालांकि जेनसेन हुआंग से उनकी कोई रिशेदारी नहीं बस सरनेम एक है। वो सिंगापुर की कंपनी मेगा स्पीड की पूर्व एग्जीक्यूटिव रह चुकी हैं। मेगा स्पीड एनवीडिया की बड़ी ग्राहक थी जिसने अरबों डॉलर के एआई चिप्स खरीदे थे। अमेरिकी एजेंसियां 2024 से इस कंपनी पर चीन को गैरकानूनी तरीके से चिप्स भेजने के शक में जांच कर रही हैं। अमेरिकी खुफिया सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट्स में दावा हुआ कि एलिस हुआंग चीन की खुफिया एजेंसी एमएसएस के संपर्क में थी। हालांकि चीन ने इन आरोपों को खारिज किया है। शुरू में बोर्ड हुआंग के साथ था। उसने कहा था कि नेशनल सिक्योरिटी या कंपनी के राज खतरे में होने की कोई वजह नहीं दिखती। फिर न्यूयॉर्क टाइम्स की दूसरी रिपोर्ट आई जिसमें कंपनी की ही एक एग्जीक्यूटिव के साथ एक और रिश्ते का दावा था। लेकिन बवाल इतना बढ़ा कि उसी रात बोर्ड की बैठक हुई। 12 नवंबर को हुआ को पद छोड़ना पड़ा। उनकी जगह सीएफओ कोलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ बनाया गया।

तो फिर अचानक बोर्ड का मन कैसे बदल गया?

यहीं से कहानी में असली ट्विस्ट आता है। टेक इंडस्ट्री के दिग्गज हुवांग की वापसी का दबाव बना रहे थे। बीबीसी के मुताबिक जेनसेन हुआंग की वापसी की मांग करने वाले ओपन लेटर पर पौने दो लाख से ज्यादा लोगों ने दस्तखत किए। एलन मस्क ने भी हुआंग का साथ दिया लेकिन सबसे बड़ा दांव खेला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने। ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका दूसरा मौका देने वाला देश है और चीन से एआई की रेस में पिछड़ना भारी पड़ेगा। एनवीडिया के फैसले से ठीक पहले ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि बोर्ड को हुवांग को वापस रखना चाहिए क्योंकि यह कंपनी और अमेरिका दोनों के लिए सबसे अच्छा होगा। एनवीडिया बोर्ड ने भी अपने बयान में माना कि उन्हें अमेरिकी सरकार के सीनियर लेवल से इनपुट मिला। इसी आधार पर बोर्ड आश्वस्त हुआ कि हुआ की वापसी से राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है।

क्या हुवांग को क्लीन चिट मिल गई?

जी नहीं। असली शर्त अभी बाकी है। बोर्ड चेयरमैन हार्वे सी जॉन्स ने कहा कि कई बैठकों के बाद हुआंग की ईमानदारी और लीडरशिप से वो संतुष्ट हैं। उनके मुताबिक हुआंग ही कंपनी के लिए सही लीडर हैं। लेकिन बोर्ड ने साफ किया है कि इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स की कमेटी इस स्कैंडल की जांच जारी रखेगी। वहीं सीएनएन पर अमेरिकी खुफिया प्रमुख जे क्लेटन ने भी साफ कहा कि एलिस हुवांग और उनकी कंपनी की जांच अभी चल रही है। इसके अलावा एनवीडिया ने 17 नवंबर को नेशनल सिक्योरिटी और एक्सपोर्ट कंट्रोल कमेटी भी बनाई है। इसमें सिर्फ इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स हैं जो सुरक्षा सलाहकारों की मदद से हर डील पर नजर रखेंगे।

ईरान वार्ता पर अमेरिकी रुख के बीच जेडी वेंस और मार्को रुबियो ने कतर पीएम से की चर्चा

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोमवार को कतर के प्रधानमंत्री से अलग–अलग मुलाकात की। खाड़ी का यह देश ईरान के साथ अमेरिका के संघर्ष को समाप्त करने के वास्ते रुकी हुई वार्ता फिर शुरू कराने के प्रयासों में अहम भूमिका निभा रहा है। बैठक से परिचित एक अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि वेंस ने 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी से बातचीत की। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेंस से कहा था कि प्रशासन को ईरान के साथ किसी समझौते की जरूरत नहीं है। उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी को इस महीने हुए मध्यावधि चुनाव में मिली करारी हार के बाद वेंस को डेमोक्रेटिक पार्टी शासित शहरों में धोखाधड़ी और अपराध पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया था। कुछ समय के लिए हुए युद्धविराम समझौते में मुख्य वार्ताकार रहे उपराष्ट्रपति वेंस ने रिपब्लिकन पार्टी की हार के लिए ईरान युद्ध को लेकर मतदाताओं की नाराजगी को जिम्मेदार ठहराया है। लगभग नौ महीने से जारी इस संघर्ष में ट्रंप के अगले कदमों को लेकर दुनिया के कई देश असमंजस की स्थिति में हैं और क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगियों के बीच युद्ध को लेकर आशंकाएं बढ़ रही हैं। दोनों पक्षों की ओर से छिटपुट सैन्य कार्रवाई जारी रहने के बावजूद ट्रंप ने कहा है कि उन्हें बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान फिर शुरू करने की जरूरत नहीं दिखती। हालांकि, अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी जहाजों की आवाजाही पर नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखी है। यह वैश्विक ऊर्जा व्यापार के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। ट्रंप ने शुक्रवार को 'व्हाइट हाउस' में संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि ईरान शत्रुता समाप्त करने के लिए समझौता करना चाहता है लेकिन ऐसा समझौता नहीं जो उन्हें ''स्वीकार्य'' हो। उन्होंने कहा, ''हम एक वास्तविक समझौता करना चाहते हैं, कोई फर्जी समझौता नहीं।'' मध्यस्थ ऐसे प्रस्तावों को आगे बढ़ा रहे हैं जिनके तहत ईरान को सीमित प्रतिबंधों से राहत देने के बदले होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम को शामिल करते हुए व्यापक वार्ता फिर शुरू करने का रास्ता तैयार करने की कोशिश की जा रही है। कतर के प्रधानमंत्री रुबियो के साथ अमेरिका–कतर रणनीतिक वार्ता की द्विवार्षिक बैठक के लिए वाशिंगटन दौरे पर थे। विदेश मंत्रालय ने बैठक के बाद कहा कि रुबियो ने ''कतर के वैश्विक मध्यस्थता प्रयासों की सराहना की और पश्चिम एशिया में खतरों को रोकने तथा स्थिरता एवं सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर घनिष्ठ समन्वय के महत्व पर जोर दिया।'' एक संयुक्त बयान में कहा गया कि रणनीतिक वार्ता के दौरान पश्चिम एशिया से लेकर अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विषय में ''साझा नीतिगत प्राथमिकताओं'' पर चर्चा हुई लेकिन इसमें नीतिगत दिशा या प्राथमिकताओं में किसी नए बदलाव का उल्लेख नहीं किया गया।

शेनझोउ–24 मिशन से चीन के स्पेस स्टेशन जाएगा पहला विदेशी एस्ट्रोनॉट, पाक नागरिक शामिल

चीन ने इस सप्ताह प्रक्षेपित होने वाले अपने अंतरिक्ष यान शेनझोउ–24 के चालक दल की मंगलवार को घोषणा की। इस मिशन के तहत एक पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री चीन के अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने वाला पहला विदेशी अंतरिक्ष यात्री बनेगा। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, चीन की मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी ने घोषणा की कि पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री मुहम्मद जीशान अली अपने चीनी सहयोगियों तांग होंगबो और वू यी के साथ इस मिशन में शामिल होंगे। अंतरिक्ष यान को बुधवार सुबह उत्तर–पश्चिमी चीन के जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण



केंद्र से रवाना किया जाना है। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री पेलोड विशेषज्ञ के रूप में अल्पकालिक मिशन पर जाएंगे। कक्षा में रहने के दौरान वह मुख्य रूप से चीन और पाकिस्तान के बीच सहयोग के तहत होने वाले प्रयोगों के साथ–साथ दैनिक गतिविधियों की जिम्मेदारी संभालेंगे। सीसीटीवी ने बताया कि उनका मिशन जैव प्रौद्योगिकी और पदार्थों के क्षेत्र में चार वैज्ञानिक परियोजनाओं को पूरा करना है। वह प्रकाश संश्लेषण करने वाले सूक्ष्मजीवों पर कक्षा में एक प्रयोग भी करेंगे। प्रसारक के मुताबिक, अल्पकालिक मिशन पूरा करने के बाद वह शेनझोउ–23 अंतरिक्ष यान से पृथ्वी पर लौटेंगे। यह प्रक्षेपण चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम के इतिहास में चीनी और विदेशी अंतरिक्ष यात्रियों की पहली संयुक्त अंतरिक्ष उड़ान होगी। यह मिशन फरवरी 2025 में चीन और पाकिस्तान के बीच हुए समझौते का हिस्सा है। सीसीटीवी के अनुसार, पहली बार अंतरिक्ष यात्रा पर जा रहे वू यी और तांग के अन्य सहयोगियों के विपरीत तांग होंगबो इससे पहले दो अंतरिक्ष मिशनों में हिस्सा ले चुके हैं। वह चीन के तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन पर तीन बार पहुंचने वाले पहले अंतरिक्ष यात्री बनेंगे। चीन वर्ष 2030 तक पहली बार मानवयुक्त चंद्रमा अभियान के तहत अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की सतह पर उतारने की तैयारी कर रहा है।

चीन में विदेशी एजेंसी के लिए जासूसी करने पर पूर्व अधिकारी को मिली मौत की सजा

चीन में एक अधिकारी को किसी अन्य देश के लिए जासूसी करने के मामले में मौत की सजा सुनाई गई है। सरकार से जुड़े एक प्रकाशक ने सोमवार को यह जानकारी दी। चीन के राष्ट्रीय गोपनीय सूचना संरक्षण प्रशासन से जुड़े प्रकाशन संस्थान 'गोल्ड वॉल प्रेस' ने बताया कि दोषी अधिकारी का उपनाम मा है। उसने बताया कि मा के विदेश में काम करने के दौरान एक विदेशी खुफिया एजेंसी ने उससे संपर्क किया था और उसे अपने लिए काम करने के लिए तैयार कर लिया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

